रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, गुरुवार 16 जनवरी 2025, वर्ष 10, अंक 363 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

झारखंड के शशि शेखर ने माउंट अकोंकागुआ पर फहराया तिरंगा

साहसी पर्वतारोही पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो के पुत्र पहले भी कई चोटी कर चुके हैं फतह

रांची। झारखंड के साहसी पर्वतारोही शशि शेखर ने 13 जनवरी को दोपहर 4 बजे दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट अकोंकागुआ (6,961 मीटर / 22,837 फीट) पर भारत का तिरंगा फहराकर राज्य व देश का मान बढ़ाया। अर्जेंटीना में स्थित माउंट अकोंकागुआ न केवल दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी है, बल्कि यह दक्षिणी गोलार्ध व एशिया महादेश के बाहर की सबसे ऊंची चोटी भी है। इसे पर्वतारोहण की प्रतिष्ठित "सात महाद्वीपों की ऊँचाई" में शामिल किया जाता है। शशि शेखर ने भारी बर्फबारी, व्हाइटआउट (जहाँ दृश्यता शून्य हो जाती है), और बर्फीले तूफानों जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना किया। -20°C से भी नीचे के तापमान व तेज हवाओं ने अभियान को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया। शशिशेखर ने बताया, "सबसे कठिन समय तब था जब व्हाइटआउट के कारण कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। लेकिन मेरे आत्मविश्वास और माता-पिता के दिए अदम्य साहस से मैंने सभी चुनौतियों का सामना कर पाया।" इस सफलता में रांची स्थित एडवेंचर कंपनी लंबादा एडवेंचर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कंपनी ने अभियान को प्रायोजित किया और तकनीकी सहायता प्रदान की। कठिन पर्वतारोहण अभियानों में विशेषज्ञता रखने वाली इस कंपनी ने हर चरण में शशि का मार्गदर्शन किया और उन्हें सफलता के लिए तैयार किया ।माउंट अकोंकागुआ की चढ़ाई से पहले शशि शेखर ने कई कठिन व साहसिक पर्वतारोहण अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इसमें यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस (5,642 मीटर / 18,510 फीट) का सफलतापूर्वक फतह, माउंट एवरेस्ट (8,430 मीटर / 27,657 फीट) दुनिया की सबसे ऊंची चोटी के बालकनी क्षेत्र तक पहुँचने का साहसिक प्रयास, (यह क्षेत्र चोटी से मात्र 438 मीटर नीचे स्थित है।) माउंट लोबुचे ईस्ट (6,119 मीटर / 20,075 फीट) नेपाल में स्थित इस शिखर को फतह करना व माउंट

मणिरंग के समिट कैंप तक पहुँचना (5,500 मीटर / 18,045 फीट) हिमाचल प्रदेश, भारत की इस चुनौतीपूर्ण चोटी के समिट कैंप तक पहुंचना (जहां अत्यधिक ऊंचाई व कठिन मौसम एक बड़ी चुनौती होती है।) शामिल हैं। शशि शेखर ने अब एक नया सपना देखा है, जिसमें वह दुनिया की सबसे ऊंची चोटियों व कठिनतम पर्वतारोहण अभियानों को फतह करना चाहते हैं। सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर माउंट अकोंकागुआ व माउंट एल्ब्रस के बाद, अब शेष पांच महाद्वीपों की चोटियों को फतह करने की तैयारी कर रहे हैं।

महाकुंभ 2025: मार्शल आर्ट ट्रेनिंग, शस्त्र-शास्त्र का ज्ञान, सनातनी 'फौज' के अखाड़ों में कैसे मिलती है एंट्री?

अखाड़े कुंभ मेले की शान हैं। ये हमेशा से इन मेलों में आम श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। लेकिन इन अखाड़ों में सन्यासी के रूप में शामिल होना आसान नहीं है। इसा हिस्सा बनना किसी सम्मानजनक नौकरी को हासिल करने से भी ज्यादा मुश्किल है।

संजय पांडेय, प्रयागराज: जब बात सनातन धर्म की हो, तो अखाड़े ही इनकी फौज हैं। आदि शंकराचार्य ने 8वीं शताब्दी में अखाड़ों का गठन किया था। इनकी स्थापना का मकसद, धार्मिक कार्यों को बढ़ावा देना और हिंदू सनातन धर्म और उसके मानने वालों की रक्षा करना था। अखाड़ों की संख्या समय के साथ बढ़ती गई और आज इनकी संख्या 13 हो गई है। ये सभी अखाड़े शैव, वैष्णव, और उदासीन संप्रदायों में बंटे हुए हैं। ये अखाड़े किसी भी सन्यासी को अपने साथ जोड़ने से पहले लंबी और मुश्किल प्रक्रिया से गुजारते हैं और पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद ही उन्हें एंट्री दी जाती है। सन्यासियों की एंट्री से पहले उन्हें अखाड़ों के नियम-कानून को समझना पड़ता और उसका पालन करना पड़ता है। परीक्षा लेने के लिए कभी-कभी सन्यासियों को दस साल तक भी इंतजार करवाया जाता है। इसके बाद आधार कार्ड, वोटर आईडी और गारंटर की जरूरत पड़ती है। इसके बाद भी नए सन्यासियों के बारे में गोपनीय जांच करवायी जाती है और हर तरह संतुष्ट होने के बाद ही नागा सन्यासी को दीक्षा दी जाती है। इसके बाद उसका प्रमाण पत्र भी जारी किया जाता है। जिसमें सबंधित अखाड़े की मुहर होती है। अखाड़ों में संन्यासियों की भर्ती में कई बातों का ध्यान रखा जाता है। इस बात के भी प्रयास किए जाते हैं कि आपराधिक छवि का कोई व्यक्ति अखाड़े में न आए।

सेना जैसा है अखाड़ों का गठन, ट्रेनिंग भी श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के नागा सन्यासी महेशानंद गिरी बताते हैं कि, अखाड़ों का गठन सेना

जैसा ही होता है। जैसे सैनिक देश के लिए लड़ते हैं नागा सन्यासी धर्म की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर देते हैं। इसीलिए नागा सन्यासियों के लिए शास्त्र के साथ शस्त्र की ट्रेनिंग भी दी जाती है। हर नागा सन्यासी को इन दोनों चीजों की ट्रेनिंग लेना जरूरी है। इसके बाद अपनी रूचि के अनुसार नागा सन्यासी शस्त्र या शास्त्र में से एक को चुनकर उसी रास्ते पर आगे बढ़ते हैं। अधिक पढ़े-लिखे सन्यासी समाज में कथा और प्रवचन के जरिए लोगों को जागरुक करते हैं। जबकि सैनिक सन्यासी अखाड़ों में रहकर ही अभ्यास करते हैं। ऐसे सन्यासियों को मार्शल आर्ट समेत हर तरह की युद्धक ट्रेनिंग दी जाती है। नागा सन्यासी अपने साथ एक हथियार भी रखते हैं। हालांकि इसका प्रयोग धर्म की रक्षा के लिए ही कर सकते हैं।

आपराधिक प्रवृत्ति वालों को रोकने के लिए बना मजबूत चेक सिस्टम पहले अखाड़े में नागा सन्यासी बनने के लिए किसी संत की शरण में जाना पड़ता था और उसकी अनुसंशा पर ही एंट्री मिल जाती थी। लेकिन अखाड़ों में कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का भी प्रवेश होने लगा। जिसे देखते हुए वर्ष 2000 के बाद अखाड़ों ने सन्यासियों को प्रवेश देने से पहले कड़ी जांच की प्रक्रिया अपनाना शुरू कर दिया। अब सरकार की ओर से जारी किए जाने वाले पहचान पत्र के अलावा अपने स्तर से भी अखाड़े नए सन्यासियों के बारे में पूरी जानकारी जुटाने के बाद ही एंट्री देते हैं।

दिल्ली: LNJP अस्पताल के बाथरूम में छात्रा से दुष्कर्म

दिल्ली : के एक अस्पताल से दुष्कर्म की घटना सामने आई है। बीएससी की एक छात्रा ने टेक्निशियन पर रेप का आरोप लगाया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि अस्पताल के बाथरूम में उसके साथ दुष्कर्म हुआ है। इस मामले में दो दिन पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक लड़का और लड़की के बीच पहले से जान पहचान थी। वे दोनों करीब छह महीने से एक दूसरे को जानते थे। पुलिस को कॉल डिटेल से भी दोनों के बीच बातचीत होने का पता चला है। साथ ही उनके बीच मैसेज से यह भी पता लगा है कि लड़के ने लड़की से शादीशुदा होने की बात छिपाई थी।

'देश की चुनाव प्रणाली में खामी, पारदर्शी होना निर्वाचन आयोग का कर्तव्य'; राहुल का EC पर निशाना

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और हरियाणा समेत हालिया विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए बुधवार को चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े किए और दावा किया कि देश की चुनाव प्रणाली में गंभीर समस्या है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी के नए मुख्यालय के उद्घाटन के बाद यह दावा भी किया कि आयोग महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मतदान करने वालों के नाम और पते के साथ मतदाता सूची उपलब्ध कराने से इनकार कर रहा है, जबकि पारदर्शी होना उसका कर्तव्य है।

राहुल गांधी ने कहा, 'यह मत सोचिए कि हम निष्पक्ष स्थिति वाली लड़ाई लड़ रहे हैं। यदि आप मानते हैं कि हम सिर्फ भाजपा नाम के राजनीतिक संगठन और आरएसएस के खिलाफ लड़ रहे हैं, तो ऐसा नहीं है। उन्होंने हमारे देश की लगभग हर संस्था पर कब्जा कर लिया है।' उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस के लोग सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि व्यवस्था से भी लड़ रहे हैं।

'महाराष्ट्र चुनाव में कुछ गलत हुआ' उन्होंने दावा किया कि मैंने साफ तौर पर कहा है कि महाराष्ट्र चुनाव में कुछ गलत हुआ है। हम चुनाव आयोग के काम करने के तरीके से खुश नहीं हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच अचानक करीब एक करोड़ नए मतदाताओं का सामने आना समस्या की बात है। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मतदान करने वालों के नाम और पते के साथ मतदाता सूची उपलब्ध कराना चुनाव आयोग का कर्तव्य है, लेकिन उसने यह जानकारी देने से इनकार कर दिया है। 'यह बताना उनकी जिम्मेदारी है कि ऐसा क्यों हुआ' उन्होंने सवाल किया कि चुनाव आयोग मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने से क्यों इनकार करेगा? हमें सूची न देकर किस उद्देश्य की पूर्ति होती है और वे इसे क्यों रोके हुए हैं? पारदर्शिता सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग का कर्तव्य है और यह बताना उनकी जिम्मेदारी है कि ऐसा क्यों हुआ है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि यह ऐसी बात है जिसे हर कांग्रेसी और हर विपक्षी सदस्य को ध्यान में रखना चाहिए।

सोनिया ने नए कांग्रेस मुख्यालय का इनॉगरेशन किया: 252 करोड़ रुपए खर्च

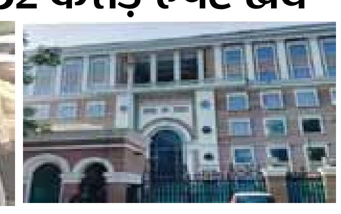

नई दिल्ली कांग्रेस के नए मुख्यालय का उद्घाटन करतीं सोनिया गांधी। साथ में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे। 'इंदिरा गांधी भवन' 9A, कोटला रोड, नई दिल्ली यह कांग्रेस पार्टी का नया पता है। सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ बुधवार को इसका उद्घाटन किया। करीब 46 साल बाद पार्टी ने अपना पता बदला है। इससे पहले पुराना ऑफिस 24, अकबर रोड था। नए ऑफिस की आधारशिला 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने रखी थी।यह भाजपा मुख्यालय से 500 मीटर दूर है। इसे बनने में 252 करोड़ रुपए लगे। भाजपा दफ्तर डेढ़ साल में बना था। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने 2019 में कहा था- भाजपा मुख्यालय 700 करोड़ में बना है। भाजपा देशभर में 768 ऑफिस बना रही है। इनमें से 563 ऑफिस बनकर तैयार हैं, जबकि 96 पर काम चल रहा है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पिछले साल अगस्त में इसकी जानकारी दी थी। जब यही सवाल हमने कांग्रेस के मीडिया कोऑर्डिनेटर अमरीश रंजन से की तो उन्होंने बताया- दिल्ली के अलावा, हर राज्य और जिले में पार्टी दफ्तर हैं। कुछ ब्लॉक ऑफिस भी हैं। लेकिन उन्हें नंबर नहीं पता। कांग्रेस के नए मुख्यालय में तिरंगा फहराया गया। इस मौके पर मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी। कांग्रेस के नए मुख्यालय में तिरंगा फहराया गया। इस मौके पर मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी।

बिहार विधान परिषद उपचुनाव के नतीजे घोषित करने पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

सुनील कुमार सिंह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को बताया कि सीट के लिए उपचुनाव के नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए जा सकते हैं। इसकी वजह यह है कि चुनाव निर्विरोध हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिहार विधान परिषद उपचुनाव के नतीजे घोषित करने पर रोक लगा दी। यह सीट पहले राजद से निष्कासित नेता सुनील कुमार सिंह के पास थी। पिछले साल 26 जुलाई को सुनील कुमार सिंह को सदन में अभद्र व्यवहार की वजह से बिहार विधान परिषद से निष्कासित कर दिया गया था। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनके परिवार के करीबी माने जाने वाले नेता पर 13 फरवरी 2024 को सदन में तीखी नोकझोंक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करने का

आरोप है। **उपचुनाव के नतीजे 16 जनवरी को घोषित होने थे** सुनील कुमार सिंह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को बताया कि सीट के लिए उपचुनाव के नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए जा सकते हैं। इसकी वजह यह है कि चुनाव निर्विरोध हुआ है। पीठ ने कहा कि चूंकि वह पहले से ही मामले पर दलीलें सुन रही है, इसलिए इस बीच सीट के लिए कोई परिणाम घोषित नहीं किया जाना चाहिए।

निष्कासन के खिलाफ याचिका पर सुनवाई सिंघवी ने कहा कि कोर्ट अगस्त 2024 से निष्कासन के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई कर रही है और अगर कल अदालत याचिका को अनुमति देती है, तो यह एक अजीब स्थिति होगी, क्योंकि एक ही सीट के लिए दो उम्मीदवार होंगे। पीठ ने कहा कि वह 16 जनवरी को राज्य विधान परिषद, आचार समिति और अन्य की दलीलें सुनेंगी, जिसके बाद वह इस मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रखेगी। **क्या है मामला?**

2024 में आचार समिति की ओर से कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह को अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के एक दिन बाद सुनील के निष्कासन का प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किया गया था। उन पर मुख्यमंत्री की शारीरिक भाषा की नकल करके उनका अपमान करने और आचार समिति के सामने उपस्थित होने के बाद समिति के सदस्यों की योग्यता पर सवाल उठाने का भी आरोप लगाया गया था। उनके निष्कासन के अलावा एक अन्य राजद एमएलसी मोहम्मद कारी सोहैब को भी दो दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था। आचार समिति की रिपोर्ट में कहा गया कि सोहैब ने जांच के दौरान अपने कार्यों के लिए खेद जताया, जबकि सिंह अपनी बात पर अड़े रहे।

देश को 3 नए युद्धपोत मिले: मोदी बोले- ये तीनों मेड इन इंडिया, पहली बार डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और सबमरीन

INS वाघशीर सबमरीन दुनिया की सबसे शांत और वर्सेटाइल डीजल-इलेक्ट्रिक सबमरीन में से एक है।

INS सूरत, INS नीलगिरी और INS वाघशीर का कमीशन करेंगे।

मुंबई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन वॉरशिप INS सूरत (डिस्ट्रॉयर), INS नीलगिरि (स्टेल्थ फ्रिगेट) और INS वाघशीर (सबमरीन) को राष्ट्र को समर्पित किए। इन तीनों अल्ट्रा-मॉर्डन वॉर शिप से नेवी की ताकत और बढ़ जाएगी। मोदी ने कहा 15 जनवरी को आर्मी डे के रूप में भी मनाया जाता है। आज भारत की समुद्री विरासत नेवी के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए भी बहुत बड़ा दिन है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने नौसेना को नया सामर्थ्य दिया था, नया विजन दिया था। आज उनकी इस पावन धरती पर 21वीं सदी की नेवी को सशक्त करने की तरफ हम एक बहुत बड़ा कदम उठा रहे हैं। यह पहली बार हो रहा है, जब एक डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और सबमरीन को एकसाथ कमीशन किया जा रहा है। ये तीनों मेड इन इंडिया हैं। ऑफिसर्स के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। ऑफिसर्स के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। पीएम मोदी को नेवी की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। वॉर शिप की कमीशनिंग के दौरान पीएम मोदी ने अफसरों से मुलाकात भी की। **भारत मैरीटाइम पावर बन रहा है** आज जो प्लेटफॉर्म लॉन्च हुए हैं, उनमें भी इसकी झलक है। नीलगिरी चोल वंश के सामुद्रिक सामर्थ्य के प्रति समर्पित है। सूरत वॉर शिप उस वक्त की याद दिलाता है, जब गुजरात को पोर्ट के जरिए वेस्ट एशिया से जुड़ा था। आज बाघशीर सबमरीन की भी कमीशनिंग हो रही है। कुछ साल पहले पी-75 क्लास के पहली सबमरीन की कमीशनिंग का मौका मिला था। आज इस क्लास की छठी सबमरीन समर्पित कर रहा हूं। **हम पूरे विश्व को परिवार मानकर चलते हैं** भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की भावना से काम करता है। ओपन, सिक्योर, इन्क्लूजिव इंडो पैसेफिक रीजन का समर्थन किया है। जब समुद्र से सटे देशों के विकास की बात आई तो भारत ने मंत्र दिया सागर- सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन।

16 फरवरी से होगी भारत-बांग्लादेश वार्ता, सीमा पर घुसपैठ का उठेगा मुद्दा

नई दिल्ली भारत-बांग्लादेश के बीच महानिदेशक स्तर की वार्ता जल्द होने की उम्मीद है। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) का एक प्रतिनिधिमंडल इन द्विवार्षिक वार्ता के 55वें संस्करण में 16 से 19 फरवरी के बीच अपने समकक्ष सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ चर्चा करेगा। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद यह पहली वार्ता होगी। भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने को लेकर दोनों देशों के तल्ख होते रिश्तों के बीच महानिदेशक स्तर की वार्ता होने की उम्मीद जगी है। बताया जा रहा है कि दो बार स्थगित हो चुकी यह वार्ता 16 फरवरी से नई दिल्ली में होने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि वार्ता के दौरान बाड़ लगाने और बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद बड़ी घुसपैठ पर चर्चा हो सकती है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने हाल ही में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने पर 'गहरी चिंता' जताई थी और अपनी आपत्तियां व्यक्त करने के लिए भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया था। बांग्लादेश ने आरोप लगाया था कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए बांग्लादेश से लगी सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने

सोमवार को बांग्लादेश के राजदूत को तलब किया था। भारत ने कहा था कि बाड़ लगाने के दौरान सभी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। अब बताया जा रहा है कि बीजीबी-बीएसएफ महानिदेशक स्तर की वार्ता जल्द होने की उम्मीद है। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) का एक प्रतिनिधिमंडल इन द्विवार्षिक वार्ता के 55वें संस्करण में 16 से 19 फरवरी के बीच अपने समकक्ष सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ चर्चा करेगा।

सैमसंग के एसी में नई टेक्नोलॉजी से शरीर के तापमान के हिसाब होगी

रांचीः सैमसंग ने एक नई तकनीक पेश की है जो आपके एयर कंडीशनर को आपके शरीर के तापमान के हिसाब से खुद-ब-खुद समायोजित करने देती है। इसे गुड स्लीप मोड कहा जाता है। इस मोड में, आपका एयर कंडीशनर आपकी गैलेक्सी वॉच से जुड़ जाता है और आपके शरीर के तापमान के आधार पर कमरे का तापमान नियंत्रित करता है। गर्मियों के दौरान एसी का तापमान कम या फिर ज्यादा करने के लिए कई बार उठना होता है। या फिर कई बार रात में एसी बंद करने के लिए उठना होता है, लेकिन अब इसकी जरूरत खत्म होने वाली है, क्योंकि सैमसंग की ओर से एक खास टेक्नोलॉजी पेश की गई है, जिसमें एसी आपके शरीर के तापमान के हिसाब से खुद-ब-खुद कम और ज्यादा होता रहेगा, जिससे रात में आपकी नींद नहीं खराब होगी। इस टेक्नोलॉजी पर बेस्ड सैमसंग ने गुड स्लीप मोड फीचर पेश किया है। यह मोड यूजर्स को एसी को अपनी गैलेक्सी वॉच सीरीज के साथ कनेक्ट करने की साहूलियत देता है। साधारण शब्दों में समझें, तो आपके गैलेक्सी वियरबेल डिवाइस आपके शरीर के तामपान को चेकर करके वायरलेस तरीके से एसी को पहुंचाएगी। उसी के हिसाब से एसी अपने तापमान को कम और ज्यादा करेगा। इससे आपका एसी कम बिजली की खतप करेगा। ऐसे में एसी चलाने पर कम बिजली का बिल आएगा। सैमसंग के इस फीचर की मदद से यूजर्स को रात में नींद पैटर्न सुधारने में मदद मिलेगी। सैमसंग का गुड स्लीप मोड फीचर इंसान के स्लीप साइकिल के हिसाब से इनडोर तामपान को कंट्रोल रखेगा। एक इंसाल के 5 स्लीप स्टेज होते हैं। हर स्टेज स्लीप में ब्रेन वेब पैटर्न, आई मूवमेंट और बॉडी टेंपरेचर अलग होता है। सैमसंग टीम ने साल 2015 में ज्ञलनदहीमम यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी में इंसानी स्लीप पैटर्न और एसी के लिए एक सटीक एल्गोरिदम सेट किया है। गुड स्लीप मोड इंडोर तापमान के हिसाब से इंडोर तापमान के हिसाब से फक्चुएट होता रहता है।

समाचार पत्रों ने न्यूज़ प्रिंट पर से जीएसटी हटाने की मांग की

समाचार पत्रों के समक्ष अस्तित्व के संकट को लेकर नई दिल्ली में होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

रांचीः पूरे देश में समाचार पत्रों के समक्ष गहराते संकट और मौजूदा समस्याओं को दूर करने के लिए नवगठित अखिल भारतीय समाचार पत्र प्रकाशक - संपादक संघ की आज यहां रांची प्रेस क्लब में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में अखबारी कागज (न्यूज़ प्रिंट) को पूरी तरह जीएसटी से मुक्त करने की मांग की गई । इस मांग को लेकर संघ आगामी फरवरी माह में नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आयोजित करेगा और केन्द्र सरकार से इस समस्या का हल निकालने का आग्रह करेगा। बैठक में उपस्थित बिहार , झारखंड , नई दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों के चार दर्जन से अधिक समाचार पत्रों के प्रकाशकों - संपादकों ने कहा कि आज देश के समाचार पत्र कई कठिनाइयों के दौर से गुजर रहे हैं और इन्हें दूर करने के लिए संघ निरंतर प्रयास करेगा । बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार समाचार पत्र प्रकाशक - संपादक संघ की ओर से समाचार पत्रों खासकर अखबारी कागज (न्यूज़ प्रिंट) को जीएसटी से मुक्त करने और प्रिंट मीडिया के विज्ञापनों पर लगने वाले जीएसटी को पूरी तरह समाप्त करने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा । संघ की बैठक में इस मुद्दे पर सर्वसम्मति बनी कि यदि अखबारी कागज (न्यूज़ प्रिंट) पर जीएसटी को तत्काल वापस नहीं लिया जाता है तब तक प्रसार जांच की नई पॉलिसी को स्थगित रखने के साथ-साथ सरकार इसकी समीक्षा के लिए एक आयोग का गठन करे और आयोग समाचार पत्रों के समक्ष सरकार के स्तर पर उत्पन्न कठिनाइयों को दूर करने के संबंध में गहन अध्ययन कर एक प्रतिवेदन केंद्र सरकार को समर्पित करें । बैठक में प्रकाशकों ने एक स्वर से कहा कि आज हिंदी समेत सभी भाषाई अखबारों के समक्ष अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया है और इससे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा खतरा दिख रहा है । उन्होंने कहा कि यदि देश में बड़े पैमाने पर समाचार पत्रों के समक्ष बंदी की स्थिति उत्पन्न हुई तो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से समाचार पत्रों से जुड़े एक करोड़ परिवार यानि करीब 5 करोड़ लोग प्रभावित तथा बेरोजगार हो जाएंगे । बेरोजगार होने वाले में प्रखंड, अनुमंडल, जिला तथा राज्य स्तर पर कार्यरत पत्रकारों के अलावा अखबार के वितरण कार्य में लगे हॉकर तथा एजेंट भी शामिल होंगे । इससे देश की अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा और पूरे देश के समक्ष बेरोजगारी को लेकर अलग तरह का बड़ा संकट उत्पन्न हो जाएगा । इसके साथ 6 वर्षों से विज्ञापन दर को संशोधित करने के मामले को लंबित रखे जाने के समाधान किए जाने पर जोर दिया गया । संघ की ओर से कहा गया है कि अखबारी कागज, स्याही , मुद्रण में प्रयुक्त होने वाली अन्य सामग्रियों पर जीएसटी लागू किए जाने से अखबार प्रकाशन की लागत में काफी वृद्धि हुई है जबकि दूसरी ओर डीएवीपी का विज्ञापन दर पिछले छह वर्षों से संशोधित नहीं किया गया है। डीएवीपी की ओर से प्रत्येक 3 वर्ष पर विज्ञापन दर संशोधित करने की परंपरा रही है। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 10 फरवरी को नई दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया या कांस्टीट्यूशन क्लब में समाचार पत्र प्रकाशकों - संपादकों का एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें समाचार पत्र उद्योग की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा होगी।

हिमाचल प्रदेश के मत्स्य निदेशक पहुंचे रांची, कल्याणकारी योजनाओं की ली जानकारी

रांचीः हिमाचल प्रदेश के निदेशक मत्स्य विवेक चंदेल (भा.प्र.से) तथा विवेक शर्मा, सहायक मत्स्य निदेशक, ऊना का झारखंड दौरे पर रांची पधारे। झारखंड में संचालित कल्याणकारी योजनाओं विशेष रूप से केज कल्चर, बायोफ्लॉक कल्चर, आर.ए.एस कल्चर, रंगीन मछलीपालन, मोती पालन आदि विषयों पर जानकारी प्राप्त करने हेतु तीन दिनों का झारखंड भ्रमण कार्यक्रम है। सबसे पहले उनके द्वारा म.कि.प्रशि. के साथ-साथ शालीमार स्थित फिश फीड मील का भ्रमण किया गया। किसानों को संबोधित करते हुए निदेशक मत्स्य ने कहा कि मछली पालन स्वरोजगार का एक उत्तम साधन है। हिमाचल के भागोलिक बनावट के कारण, तीन प्रकार के पालन किया जा रहा है। हिमाचल के उपरी पहाड़ी क्षेत्रों में ट्राउट मछली का पालन, बीच के पहाड़ी क्षेत्रों में महाशीर मछली का पालन तथा तलहटी क्षेत्रों में भारतीय मुख्य कार्प का पालन किया जा रहा है। किसानों को आगे बढ़कर वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन करने का आह्वान किया। उसके बाद पीपरटोली, अरगोड़ा में रंगीन मछली पालन के समूह द्वारा रेखा टोप्पो के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश के निदेशक मत्स्य विवेक चंदेल, विवेक शर्मा, सहायक मत्स्य निदेशक जिला-उना, जयंत रंजन, जिला मत्स्य पदाधिकारी रांची, प्रशांत कुमार दीपक का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। इसके बाद नगड़ी स्थित आयूष खेमका के मत्स्य प्रक्षेत्र का भ्रमण किया गया जहां आरएएस एंड बॉयफ्लॉक पौंड में मछलीपालन को देख कर काफी प्रभावित हुए। इसके बाद किंग फिशरीज ग्रुप के संचालक निशांत कुमार के यहां पर बायोफ्लाक टैंक में पाबदा, जपानी कोइ मछली, तिलापिया मछलीपालन को देखा। और अंत में कांके डैम के आर.एफ.एफ में मछली पालन का अवलोकन किया। अतिथियों का स्वागत डॉ. एच.एन. द्विवेदी, निदेशक मत्स्य झारखंड रांची तथा शंभू प्र.यादव, उप मत्स्य निदेशक-सह-प्रबंध निदेशक झास्कोफिश के द्वारा किया गया।

राज्यपाल ने 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव' में शामिल प्रतिभागियों से किया संवाद

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 10 से 12 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव' में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों से राज भवन में संवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन और राज्य का राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाने के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी। राज्यपाल ने युवाओं की प्रतियोगिता में भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि किसी विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना और अन्य राज्यों की संस्कृति व सोच को समझना युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने कार्यों और उपलब्धियों से न केवल राज्य बल्कि देश का नाम भी रोशन करें।

राज्यपाल से संवाद के क्रम में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किया। स्वाति राज ने कहा कि उन्होंने 'विकसित भारत 2047' पर अपने विचार रखे। 3 मिनट के सम्बोधन के क्रम में उन्होंने पोषण, जीरो हंगर, कानून-व्यवस्था, विरासत, युवा रोजगार और अमृतकाल जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। शुभांगी राज ने कहा कि उन्होंने 'विकास भी, विरासत भी' पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ संवाद और उनके साथ भोजन को अपने जीवन का गौरवपूर्ण और अविस्मरणीय क्षण बताया। ऋषित ने 'टेक फॉर विकसित भारत' पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने उल्लेख किया कि एक युवा के दृष्टिकोण से विकसित भारत के लिए तकनीक की भूमिका क्या हो सकती है। उन्होंने अन्य राज्यों के युवाओं की प्रस्तुतियां देखने और उनकी संस्कृति को समझने का अनुभव भी साझा किया। स्वातिका ने कहानी लेखन प्रतियोगिता में 'विकसित भारत @2047' पर अपने विचार प्रस्तुत किए और विभिन्न विषयों को रचनात्मकता के साथ समाहित किया।

राज्यपाल महोदय ने प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर खेल निदेशक संदीप कुमार, राज्य निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन ललिता कुमारी, डॉ ओपी पाण्डे, राजेश कुमार चौधरी सहित विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मत्स्य कृषकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

रांची/गुमलाः कृषि मंत्री पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के निदेशानुसार बुधवार को जिला मत्स्य कार्यालय, गुमला के द्वारा नगर भवन, गुमला में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है गुमला जिला के मत्स्य कृषकों को इसी जिला में एक मंच पर एकत्रित करते हुए मत्स्य पालन को स्वरोजगार के रूप में अपनाते हुए अपने सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सुदृढ़ कर सके ।

कार्यशाला में उप विकास आयुक्त श्री दिलेश्वर महतो द्वारा कार्यशाला में उपस्थित मत्स्य कृषकों को मछली पालन को स्वरोजगार के रूप में अपनाते हुए प्रेरित किया गया । कार्यशाला में जिला मत्स्य पदाधिकारी श्रीमती कुसुम लता के द्वारा बताया गया कि गुमला जिला में 6800 मत्स्य कृषकों को दुर्घटना बीमा योजना से जोड़ा जा चुका है। पूर्व में मछली पालन परम्परागत रूप से किया जाता था, परन्तु अब विभिन्न वैज्ञानिक पद्धति को अपनाकर सीमित जलक्षेत्र से अधिक से अधिक मत्स्य उत्पादन किया जा रहा है। इस कम में मत्स्य पालन के विभिन्न नवाचार जैसे बॉयोफ्लॉक टैंक, बॉयोफ्लॉक तालाब, ग्रो आउट तालाब एवं आर०ए०एस० का अधिष्ठापन किया गया। बसिया प्रखण्ड अन्तर्गत धनसिंह जलाशय में 48 केज अधिष्ठापन, घाघरा प्रखण्ड के मसरिया जलाशय में 12 केज एवं डुमरी प्रखण्ड के अपरशंख जलाशय में 08 केज अधिष्ठापन कर स्थानीय स्तर पर विस्थापित परिवार को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

तेनाली विजयनगर लौट आया हैः कृष्णदेवराय

रांचीः सोनी सब का शो तेनाली रामा की अविश्वसनीय कहानियों पर आधारित है। यह शो तेनाली के विजयनगर लौटने पर प्रकाश डालता है।

आगामी एपिसोड में तथाचार्य खुद को एक बुज़ुर्ग महिला से जुड़े एक लंबे समय से चले आ रहे मामले से जूझता हुआ पाता है, साथ ही राजा कृष्णदेवराय द्वारा मामले को सुलझाने के लिए लगाई गई 24 घंटे की समय सीमा का सामना करता है। साथ ही तेनाली रामा विजयनगर से अपने निर्वासन के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के लिए एक शानदार रणनीति बनाता है, और तथाचार्य की बेगुनाही के बारे में आश्चर्यजनक खुलासे भी करता है। मामले में गुप्त रूप से तथाचार्य की सहायता करते हुए तेनाली के अपरंपरागत तरीकों से अनजाने में राजा को उसकी उपस्थिति का पता चल जाता है। इससे एक अप्रत्याशित मोड़ आता है, जब राजा कृष्णदेवराय मामले को सुलझाने के लिए उपहार और पुरस्कार लेकर तथाचार्य के घर जाते हैं, यह पता लगाने के लिए दृढ़ संकल्पित होते हैं कि क्या तेनाली राम जीवित है और तथाचार्य के घर में है।

कन्फ्यूज़न मैट्रिक्स किसी भी स्टार्ट अप के लिए महत्वपूर्णः अमितेश आनंद

रांचीः दी इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया, रांची शाखा के द्वारा "कन्फ्यूजन मैट्रिक्स से लेकर स्पष्टता तकः स्टार्टअप की वास्तविकताएं हर सीए के लिए जानकारी योग्य तथ्य" पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार को सम्बोधित करते हुए रांची के स्टार्टअप विषय के विशेषज्ञ और फ्लोकार्ड के सीएफ़ओ अमितेश आनंद ने उपस्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और अन्य को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसी भी स्टार्टअप वर्गीकरण मॉडल के मूल्यांकन के लिए कन्फ्यूजन मैट्रिक्स एक महत्वपूर्ण उपकरण है। यह वास्तविक परिणामों के साथ पूर्वानुमानित परिणामों की तुलना करके आपके मॉडल के प्रदर्शन का एक स्पष्ट दृश्य प्रदान करता है। कन्फ्यूजन मैट्रिक्स संरचना आपको अपने पूर्वानुमानों की सटीकता का आकलन करने और सुधार के लिए क्षेत्रों को इंगित करने की अनुमति देती है। कन्फ्यूजन मैट्रिक्स आपके मॉडल की ताकत और कमजोरियों का एक दृश्य प्रतिनिधित्व प्रदान करता है। यह विशेष रूप से तब उपयोगी होता है जब असंतुलित डेटासेट के साथ काम करना हो या जब त्रुटियों की लागत में काफी अंतर हो। भ्रम मैट्रिक्स (या, त्रुटि मैट्रिक्स) क्लासिफायर एल्गोरिदम परिणामों के लिए एक विज़ुअलाइज़ेशन विधि है। उन्होंने कहा कि आज एआई में कन्फ्यूजन मैट्रिक्स का बड़े पैमाने पर उपयोग होता है और विशेषकर शेयर मार्केट में निवेश या निवेश सलाहकार बनने के लिए भ्रम मैट्रिक्स का जानकारी होना आवश्यक है। अमितेश आनंद ने अपने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कन्फ्यूजन मैट्रिक्स के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। अमितेश आनंद ने बताया कि किसी भी स्टार्ट अप को शुरू करने के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स कि महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किसी भी स्टार्ट अप की प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने, स्टार्ट अप से सम्बंधित कानूनों की परिपालन करने और फण्ड मैनेजमेंट में और इससे सुचारु रूप से चलाने में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अहम् सहयोगी की भूमिका निभाते है। इस सेमिनार के आरम्भ में इंस्टिट्यूट के रांची शाखा के चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बगला ने कहा कि हमारी सीए प्रोफेशन नॉलेज पर आधारित है जिसका मुख्य फोकस व्यवसाय और व्यवसाय से जुड़े क्षेत्रों में हो रहे बदलावों पर हमेशा अद्यतन रहना है। और आज का यह सेमिनार स्टार्ट अप में भ्रम मैट्रिक्स का उपयोग और हम चार्टर्ड एकाउंटेंट्स इसका कैसे लाभ ले सकते हैं पर विस्तृत जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगी। इस सेमिनार में लगभग 100 चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, विधार्थी और अन्य प्रोफेशनल्स ने भाग लिया।

कोल ब्लॉक शुरू करने में आ रही समस्याओं का समाधान जल्द करेंः मुख्य सचिव

रांचीः मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सरकार द्वारा आवंटित सभी 34 कोल ब्लॉकों को शुरू करने में आ रही समस्या के समाधान का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जितनी जल्द ये कोल ब्लॉक शुरू होंगे, उतनी ही जल्दी उस इलाके में आर्थिक गतिविधियां शुरू होंगी। इससे जहां रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे, वहीं राज्य सरकार के राजस्व में भी इजाफा होगा। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों को इसके लिए युद्धस्तर पर कार्य करने का निर्देश दिया। वह अपनी अध्यक्षता में बुधवार को आवंटित कोल ब्लॉकों को शुरू करने में आ रही समस्या के समाधान को लेकर समीक्षा कर रही थीं।

समीक्षा के दौरान पाया गया कि अधिकांश आवंटित कोल ब्लॉकों को शुरू करने में जमीन अधिग्रहण, रेट की गणना, मुआवजा, फॉरेस्ट क्लियरेंस, भूमि हस्तांतरण, कोल ब्लॉक की जमीन से गुजरने वाले नाला, नदी और सड़क को लेकर समस्या आ रही है। कुछ जगहों पर विधि व्यवस्था की भी समस्या सामने आई। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित उपायुक्तों को निर्देश दिया कि इन समस्याओं का समाधान एक समयसीमा के भीतर करें। समीक्षा के दौरान ही 34 में से 4 कोल ब्लॉक पलामू का राजहारा, लातेहार का तुबेद, हजारीबाग जिला में स्थित बदाम और मोइत्रा जेएस डब्ल्यू से अविलंब खनन करने की स्थिति स्पष्ट हो गयी। ये कोयला खदान सप्ताह भर के भीतर ऑपरेशनल हो जायेंगे। वहीं अन्य 9 कोल ब्लॉकों की समस्या का भी समाधान लगभग कर लिया गया। इनका ऑपरेशन भी यथाशीघ्र होने की संभावना है। बाकी बचे अन्य कोल ब्लॉकों को लेकर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि इनकी समस्या का भी समाधान कर जितनी जल्द हो सके उसे ऑपरेशनल करें। मुख्य सचिव ने आवंटित कोल ब्लॉकों के प्रतिनिधियों को भी निर्देश दिया कि वे ससमय संबंधित विभागों और जिला प्रशासन को जरूरी कागजात उपलब्ध करायें। प्रशासन के साथ समन्वय कर कोल ब्लॉकों को ऑपरेशनल करने में आ रही समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कहा कि जहां विधि व्यवस्था की समस्या है, वहां लोगों के बीच सद्भावना और सौहार्द विकसित करें। कोल कंपनियां साइट पर ऑफिस खोलें और कॉरपोरेट सोशल रिसपांसबिलिटी (सीएसआर) के तहत कार्य करें और लोगों को विश्वास में लेकर जरूरी औपचारिकता पूरी करते हुए खनन की प्रक्रिया शुरू करें। वहीं स्टेट पीएसयू के कोल ब्लॉकों को शुरू करने में आ रही समस्या के समाधान के लिए उन्होंने संबंधित सरकारी अधिकारियों को अतिरिक्त सक्रियता के साथ काम करने पर बल दिया।

मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न समीक्षा बैठक में वन एवं पर्यावरण सचिव अबू बक्कर सिद्दिकी, वित्त सचिव प्रशांत कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव चंद्रशेखर, खान सचिव जितेंद्र सिंह, खान निदेशक राहुल सिन्हा एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव लोचन बख्शी समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 से लौटे प्रतिभागियों को खेल मंत्री ने किया सम्मानित

रांचीः पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद व युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने नई दिल्ली में 10 जनवरी से 12 जनवरी 2025 में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेकर लौटे प्रतिभागियों को बुधवार को सम्मानित किया । मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने युवाओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है वे हर क्षेत्र में परचम लहराने की क्षमता रखते हैं बस जरूरत है उन्हें बेहतर मार्गदर्शन की और सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी, ताकि वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने का सबसे सरल तरीका किताबें हैं,उनसे चीजों को परखने की क्षमता आती है। आज की पीढ़ी बहुत तेज है ,युवा तर्क करने की क्षमता को विकसित करें । सवाल पूछने की आदत को विकसित करें। युवाओं का जोश और ऊर्जा राज्य और देश के विकास की नींव है। उन्होंने कहा कि शहर ,गांव ,राज्य मजबूत होगा तभी देश भी मजबूत होगा । बिना राज्य के विकास के हम देश के विकास की कल्पना नहीं कर सकते हैं। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड में भी राज्य स्तर पर युवा महोत्सव कराएगी। जहाँ पूरे राज्य से प्रतिभागी भाग लेंगें और उनके विचार ,उनकी प्रतिभा राज्य के विकास में सहायक होगी। उन्होंने राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेकर लौटे प्रतिभागियों को बधाई दी , कहा कि आपने न केवल हमारे राज्य का नाम रोशन किया है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा भी बनें हैं। उन्होंने युवाओं की सराहना करते हुए कहा, आपकी मेहनत और समर्पण ने यह साबित कर दिया है कि हमारे राज्य के युवा किसी से कम नहीं हैं।

स्वाति राज (दुमका)को भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ जबकि शुभांगी क्षितिजा सौरभ (गुमला)और ऋषित (जमशेदपुर)का चयन प्रधानमंत्री के समझ प्रजेंटेशन देने के लिए हुआ था। इस अवसर पर माननीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने प्रतियोगिता में प्रथम ,द्वितीय ,तृतीय प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों एवं टीम लीडर को अंग वस्त्र और स्मृति चिह्न प्रदान किया।

इस अवसर पर राजेश कुमार, अवर सचिव, खेलकूद व युवाकार्य निदेशालय, झारखंड नेहरू युवा केंद्र की डायरेक्टर ललिता कुमारी, युवा महोत्सव में झारखंड के प्रतिनिधित्व एवं झारखंड कार्यक्रम में प्रतियोगिता के रूप में प्रथम, द्वितीय, तृतीय प्राप्त करने वाले में स्वाति राज,ऋषि,शुभांगी क्षितिज सौरभ, डिप्टी नोडल पदाधिकारी,डॉ ओमप्रकाश पांडेय, टीम लीडर पुरुषोत्तम आदि मौजूद थे।

गांधीनगर अस्पताल में हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सीय शिविर का आयोजन

जेवीएम श्यामली स्कूल के प्रांगण में कंबल का वितरण किया गया रांची। जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली स्कूल के प्रांगण में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण हुआ। इस कार्य को संपादन करने के लिए एनएसएस यूनिट के वॉलिंटियर्स ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्राचार्य समरजीत जाना ने सभी बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएँ की और पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक कार्य में भी जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने ने सभी जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचने के लिए अनेक उपाय बताए। इस अवसर पर एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर शशांक कुमार सिन्हा ने भी लोगों को संबोधित किया। ऐसे नेक कार्य के लिए एनएसएस यूनिट जेवीएम श्यामली, अपने स्कूल के प्राचार्य और एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर के मार्गदर्शन पर हमेशा तत्पर और अग्रसर रहते हैं।

गांधीनगर अस्पताल में हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सीय शिविर का

रांचीः सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनग में गुरुवार को 24 जनवरी को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में यशोदा अस्पताल, हैदराबाद के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. प्रमोद कुचलाकान्ति (सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जाँच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिर्पोट/जांच के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाये।

सीएमडी, सीसीएल निलेन्दु कुमार सिंह के मार्गनिर्देशन में सीसीएल ने अपने कर्मियों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। इसके लिए सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर का उद्देश्य है कि जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने समाहरणालय में स्मार्ट डिस्प्ले का किया शुभारंभ

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने बुधवार को जिला समाहरणालय सभागार में स्मार्ट डिस्प्ले का फीता काट कर शुभारंभ किया। यह स्मार्ट डिस्प्ले में बहुत सारी फीचर्स से लैस है। जिससे कॉन्फ्रेंस के वक्त उच्च क्षमता के वीडियो के साथ कॉन्फ्रेंस किया जा सकता है। साथ ही इसमें स्प्लिट स्क्रीन है जिससे एक साथ दो फीचर्स उपयोग किया जा सकता है। ये स्क्रीन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है।

अनुराग गुप्ता, महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड ने नक्सल उन्मूलन संबधित मुद्दों पर की समीक्षा

रांची। अनुराग गुप्ता, महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड ने पुलिस मुख्यालय सभागार में नक्सल उन्मूलन संबंधित मुद्दों पर व्यापक रूप से समीक्षा बैठक की। नक्सली परिदृश्य से संबंधीत इस बैठक के क्रम में पूर्व से दिये गये निर्देश के अनुपालन की व्यापक रूप से समीक्षा की गई एवं उग्रवाद के सम्पूर्ण उन्मूलन हेतु माओवादी / अन्य उग्रवादी संगठन / Splinter Groups / अपराधिक गुटों का सम्पूर्ण रूप से निराकरण हेतु हेतु आसुचना तंत्र को मजबूत करने के साथ अन्य वांछित कार्रवाई करने संबंधी निर्देश दिये गए।

नेशनल पारा बोशिया चैंपियनशिप में सुमन प्रजापति ने जीता रजत पदक

विशाखापट्टनम में आयोजित आठ दिवसीय नेशनल पारा बोशिया चैंपियनशिप प्रतियोगिता मे झारखंड से लोहरदगा निवासी दिव्यांग सुमन प्रजापति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर झारखंड के गौरव को बढ़ाया है। सुमन प्रजापति ने पूर्व में मध्य प्रदेश में आयोजित स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित बोशिया चैंपियनशिप में भी सिल्वर मेडल जीतकर भी झारखंड का मान बढ़ाने का काम किया था। सुमन प्रजापति व्हीलचेयर प्लेयर है। उनका दोनों पैर और हाथ पूरी तरह काम नहीं करते हैं। सुमन प्रजापति ने बताया कि 9 जून 2016 को एक दुर्घटना के बाद उसे स्पाइन कॉर्ड इंजरी हो गया था उसी समय से वह चलने फिरने में असमर्थ है। सुमन प्रजापति के नेशनल बोशिया चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने पर झारखंड पारा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सुमन प्रजापति को बहुत- बहुत बधाई दी है।

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने की जन सेवा

रांची।अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के 40 वे स्थापना दिवस को वृहत रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है ।इस अवसर पर झारखंड प्रांत द्वारा सात दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।
अध्यक्ष विनिता सिंघानिया के नेतृत्व में सात दिवसीय कार्यक्रम में पहले दिन जनसेवा के अंतर्गत मकर संक्रांति के उपलक्ष में संकट मोचन मंदिर मेन रोड में जरूरतमंदों के बीच में खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।
इसमें अध्यक्ष विनीता सिंघानिया , सचिव शुभा अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजिका स्मिता अग्रवाल, चंद्रकला एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी 2025 से शुरू हो रहा है, जिसे राज्यपाल संतोष गंगवार ने मंजूरी दे दी है

रांचीः झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी 2025 से शुरू हो रहा है, जिसे राज्यपाल संतोष गंगवार ने मंजूरी दे दी है. यह बजट सत्र 24 फरवरी 2025 से शुरू होकर 27 मार्च 2025 तक चलेगा. इस बजट सत्र के पहले दिन नए सदस्यों के शपथ ग्रहण के अलावा राज्यपाल का अभिभाषण और शोक प्रकाश का कार्यक्रम होगा।बजट सत्र के पहले दिन 24 फरवरी 2025 को 11:30 बजे राज्यपाल का अभिभाषण होगा। जिसके बाद देश की दिवंगत विभूतियों को इस दिन याद कर श्रद्धांजलि देने के साथ सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी।

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा मामले की हाईकोर्ट में अगली सुनवाई कब

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई जांच कराने वाली बुद्धदेव उरांव की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। हाई कोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने सीबीआई को मामले में दायर आरोप पत्र को कोर्ट के रिकॉर्ड में लाने का निर्देश दिया। इससे पूर्व सीबीआई की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में रांची की सीबीआई की अदालत में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई पांच फरवरी तय की है। पिछली सुनवाई में खंडपीठ ने सीबीआई को जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय गड़बड़ी से संबंधित केस नंबर आरसी 5/2012 और आरसी 6/2012 के अनुसंधान की स्थिति पर जवाब मांगा था। जेपीएससी प्रथम परीक्षा गड़बड़ी मामले में 4 मई को, 2024 को सीबीआई ने केस नंबर आरसी 5/2012 में सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसमें सीबीआई ने जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद, वरीय सदस्य गोपाल प्रसाद, सदस्य राधा गोविंद नागेश, सदस्य शांति देवी, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी सिंह समेत 37 लोगों को आरोपित बनाया था। इनके अलावा अपर समाहर्ता रैंक के अधिकारी सीमा सिंह, सुषमा नीलम सोरेन, कुंवर सिंह पाहन, ज्योति कुमारी झा, अलका कुमारी, मोहनलाल मरांडी, राम नारायण सिंह, सुदर्शन मुर्मू, जेम्स सुरीन, जितेंद्र मुंडा, पूनम कच्छप, राजीव कुमार, संजीव कुमार, अनंत कुमार, परमेश्वर मुंडा, संतोष कुमार गर्ग, कमलेश्वर नारायण एवं विजय वर्मा को आरोपित बनाया है।
वहीं, सीबीआई ने जेपीएससी द्वितीय परीक्षा गड़बड़ी मामले में केस नंबर आरसी 6/2012 में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद समेत 70 आरोपितों के खिलाफ सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। झारखंड में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी की जांच का आदेश झारखंड हाई कोर्ट ने साल 2012 में सीबीआई को दिया था।

रांची के हिंदपीढ़ी से गायब 2 लड़कियों को पुलिस ने कर्नाटक से किया बरामद

रांची : रांची के हिंदपीढ़ी से गायब हुई 2 लड़कियों का पता चल गया है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों लड़कियों को कर्नाटक से बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि आज ही दोनों को पुलिस की टीम सुरक्षित रांची लेकर आ रही है। टेक्निकल सेल की मदद से रांची पुलिस को यह सूचना मिली थी कि दोनों लड़कियां कर्नाटक में हैं। इसके बाद पुलिस की एक टीम को कर्नाटक भेजा गया। कर्नाटक पुलिस की मदद से दोनों को बरामद कर लिया गया है।
क्या है मामला बता दें कि लड़कियों के चाचा ने पुलिस को बताया था कि दोनों बहनें 11 जनवरी की दोपहर 12.30 बजे अपने घर से कांटाटोली के समीप मंगल टावर स्थित आधार केंद्र जाने के लिए निकली थीं। इसके बाद दोपहर के करीब 1.20 बजे एक भतीजी ने फोन कर अपने पिता से कहा कि ऑटो चालक ने उनसे मोबाइल और पर्स छीन लिया है। जबरन कहीं दूसरी जगह पर ले जा रहा है। इतना बोलने के बाद फोन कट गया। दोबारा फोन करने पर फोन बंद मिला। इसके बाद कोई संपर्क नहीं हो पाया है। बाद में पुलिस को दोनों का आखिरी

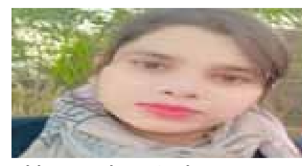

लोकेशन ओरमांझी में मिला था।
मामले के तुल पकड़ने के बाद मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पीड़िता परिवार से मुलाकात करने उनके घर पहुंचे थे। मौके पर अंसारी ने कहा था कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले को लेकर गंभीर हैं। सरकार अपनी पूरी कोशिश कर रही है। सरकार पूरे परिवार के साथ खड़ी है। जल्द दोनों लड़कियों को वापस लाया जाएगा। इरफान अंसारी के साथ साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, अजय नाथ शाहदेव और शहजादा अनवर आदि भी मौजूद थे। वहीं आज यह सूचना मिली की दोनों का पता चल गया है। पुलिस दोनों को लेकर रांची आ रही है। मामले की जानकारी पुलिस टीम के आने के बाद मिलेगी।

माण्डर- भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता संपन्न,दयानंद हाउस ओवरऑल चैम्पियन

मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर कांग्रेस के नये मुख्यालय के उद्घाटन की बधाई दी

रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम मोहम्मद आमिर के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सह झारखंड प्रभारी सीरी बेला प्रसाद, प्रणव झा झारखंड कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव उप नेता राजेश कच्छप एवं झारखंड कांग्रेस मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुजनी , रियाज अंसारी ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर कांग्रेस के नये मुख्यालय के उद्घाटन की बधाई दी। मुलाकात के क्रम में गुलाम अहमद मीर ने मल्लिकार्जुन खड़गे जी को झारखंड में महागठबंधन सरकार द्वारा मैया सम्मान योजना के तहत 2500 देने की झारखंड वासियों को दी गई गारंटी के अनुसार पूरी करने की जानकारी दी। "जय बापू" "जय भीम" "जय संविधान" के तहत चलाए जा रहे अंबेडकर सम्मान यात्रा की भी जानकारी दी जो कई जिलों में पूर्ण हो चुका है तथा यह कार्यक्रम प्रखंड स्तर पर चलाए जा रहा है।

रांची । झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल महोदय को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आमंत्रित किया।

भाजपा विधायक द्वारा दिया गया बयान से बांग्ला समाज मे आक्रोश, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी

रांचीः झारखंड में बांग्ला भाषी की संख्या अच्छी खाशी हैं जो राज्य के अलग-अलग जिलों में निवास करते हैं और राज्य की सामाजिक सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने मे बंगाली समाज का अहम योगदान रहा है. हाल के दिनों मे भाजपा विधायक अमित यादव के बयान से बांग्ला समाज मे आक्रोश है। बता दे बरकट्ठा से भाजपा विधायक अमित यादव के द्वारा समाज को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ बांग्ला समाज एकजुट है. अखिल भारतीय बांग्ला भाषी परिषद के बैनर तले बांग्ला समाज का एक प्रतिनिधिमंडल पिछले दिनों भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से मुलाकात कर विधायक की शिकायत की। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि बांग्ला समाज को विधायक के द्वारा दलाल कहकर संबोधित किया गया था जिससे वह आहत हुए हैं। जिसकी शिकायत करने के लिए उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष का दरवाजा खटखटाया है। मामले को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शिकायत का निष्पादन करने का आश्वासन दिया है तो वहीं बांग्ला भाषी समन्वय परिषद के अध्यक्ष अभिजीत दत्ता गुप्ता ने स्पष्ट कहा है कि अगर इस पर कोई कार्रवाई नहीं होती है तो आने वाले दिनों में सड़क पर विरोध प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

तड़प-तड़प कर बहू ने तोड़ा दम

पलामू । पलामू जिला के 22 साल की विवाहिता रेशमा देवी तड़प-तड़प कर मर गयी। रेशमा अपने पति रोहित चौहान, सास और चार महीने के बच्चे के साथ ससुराल में रहती थी। उसका ससुराल पलामू के नावाजयपुर थाना क्षेत्र के कसवाखाड़ में है। आशंका जताई जा रही है कि रेशमा ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। मिली जानकारी के अनुसार आज यानी बुधवार को सुबह रेशमा देवी अपने चार महीने के बच्चे के साथ घर पर थी। उसकी सास खेत पर गयी हुई थी। वहीं, पति भी घर पर नहीं था। खेत से वापस आने पर सास ने देखा कि बहू रेशमा बेड पर तड़प रही थी। सास ने आसपास के लोगों की मदद से जल्दबाजी में बहू को नावाजयपुर स्वास्थ्य केन्द्र में ले गयी। जहां डाक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देख उसे MRMCH रेफर कर दिया। वहां इलाज के दरम्यान रेशमा देवी ने दम तोड़ दिया।

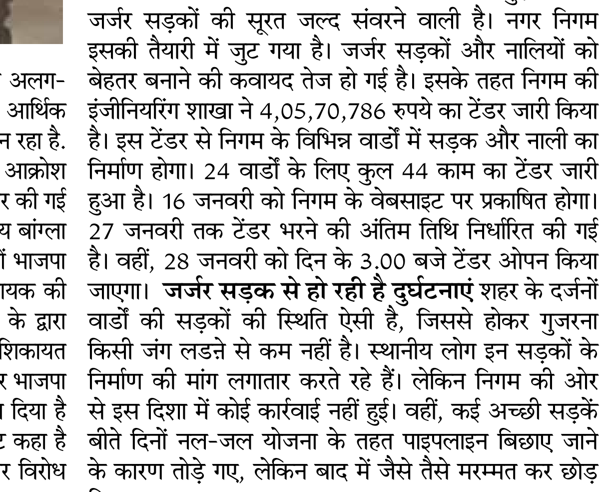

पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की ने राजभवन में केन्द्रीय आदिवासी कल्याण मंत्री जुएल उरांव से मुलाकात किया

रांची। रतन तिर्की ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री जुएल उरांव से केन्द्र सरकार द्वारा जनजातीय उप योजना हेतु संस्थाओं को आबंटित राशि संबंधित विसंगतियों के त्वरित समाधान एवं समयानुसार आबंटन की मांग की। उन्होंने बताया कि आदिवासियों के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्वंयसेवी संस्थानों को आबंटित राशि की सही जानकारी पब्लिक डोमेन में रखने और संस्थानों को समय-समय पर आबंटित राशि का युटीलाईजेशन सर्टिफिकेट जमा करने का निर्देश केन्द्र सरकार द्वारा किया जाना चाहिए। रतन तिर्की ने कहा कि बहुत सी स्वंयसेवी संस्थान निर्धारित समयावधि में काम को पूरा नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण आदिवासियों और लाभुकों को समय से लाभ नहीं मिल पा रहा है।
इसके अलावे रतन तिर्की ने बताया कि सरना धरम कोड को जल्द से जल्द लागू करने की मांग भी की गई. रतन तिर्की ने बताया कि राष्ट्रीय आदिवासी नीति (नेशनल ट्राईबल पोलिसी) बनाने पर देशभर के आदिवासी काम करना शुरू कर चुके हैं जिसमें झाड़खंड को विशेष जिम्मेवारी सौंपी गई है।
आदिवासी मंत्री जुएल उरांव ने ने कहा कि केंद्र सरकार देश के सभी आदिवासियों के लिए चलाये जा रहे कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए कोई भी कोताही नहीं बरतेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि समयानुसार सभी योजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा.केन्द्रीय मंत्री जुएल उरांव ने रतन तिर्की को दिल्ली आने का न्योता दिया और कहा इस संबंध में सुझाव के साथ केन्द्र में बातचीत की जायेगी। रतन तिर्की संग सामाजिक कार्यकर्ता दीपक एक्का और विक्रांत प्रजापति थे।

रांची नगर निगम के विभिन्न वार्डों में स्थित मुहल्लों की जर्जर सड़कों की सूरत जल्द संवरने वाली है

रांची नगर निगम के विभिन्न वार्डों में स्थित मुहल्लों की जर्जर सड़कों की सूरत जल्द संवरने वाली है। नगर निगम इसकी तैयारी में जुट गया है। जर्जर सड़कों और नालियों को बेहतर बनाने की कवायद तेज हो गई है। इसके तहत निगम की इंजीनियरिंग शाखा ने 4,05,70,786 रुपये का टेंडर जारी किया है। इस टेंडर से निगम के विभिन्न वार्डों में सड़क और नाली का निर्माण होगा। 24 वार्डों के लिए कुल 44 काम का टेंडर जारी हुआ है। 16 जनवरी को निगम के वेबसाइट पर प्रकाषित होगा। 27 जनवरी तक टेंडर भरने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। वहीं, 28 जनवरी को दिन के 3.00 बजे टेंडर ओपन किया जाएगा। **जर्जर सड़क से हो रही है दुर्घटनाएं** शहर के दर्जनों वार्डों की सड़कों की स्थिति ऐसी है, जिससे होकर गुजरना किसी जंग लडऩे से कम नहीं है। स्थानीय लोग इन सड़कों के निर्माण की मांग लगातार करते रहे हैं। लेकिन निगम की ओर से इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, कई अच्छी सड़कें बीते दिनों नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाए जाने के कारण तोड़े गए, लेकिन बाद में जैसे तैसे मरम्मत कर छोड़ दिया गया।

टुसू मेला में प्रेमिका से मिलने गया था युवक, दूसरे प्रेमी ने कर दी हत्या

रांची : रांची के अनगड़ा के जमुवारी गांव में टुसू मेला के दौरान मंगलवार रात को प्रेम प्रसंग के विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान संदीप महतो (30) के रूप में हुई है। वह पिठौरिया थाना क्षेत्र का रहने वाला था। संदीप तलाकशुदा था और इरबा में काम करने वाली एक युवती से प्रेम करता था।
प्रेमिका ने मिलने बुलाया, दूसरे प्रेमी ने कर दी हत्या मंगलवार रात युवती ने संदीप को टुसू मेला में मिलने बुलाया। जब संदीप वहां पहुंचा, तो युवती का दूसरा प्रेमी संगम करमाली अपने दोस्तों के साथ वहां आ गया। संगम ने गुस्से में आकर संदीप पर चाकू से कई बार हमला कर दिया। घटना के बाद मेला समिति के लोगों ने घायल संदीप को पहले अनगड़ा के सीएचसी ले जाया गया और फिर रिम्स रेफर कर दिया। इलाज के दौरान बुधवार तड़के करीब 3 बजे संदीप की मौत हो गई।
पुलिस ने किया गिरफ्तार पुलिस ने रातभर छापेमारी कर मुख्य आरोपी संगम करमाली, उसके साथी साहिल शाह और अन्य दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया। घटना में इस्तेमाल चाकू, मोबाइल और बाइक भी बरामद कर ली गई है। अनगड़ा थाना प्रभारी हीरालाल साह ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही और जानकारी दी जाएगी।

रांची रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ रांची द्वारा शराब की बोतलें जब्त की गईं

रेलवे परिसर में शराब की बरामदगी के संबंध में आरपीएफ के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार द्वारा आरपीएफ को दिए गए निर्देश के आधार पर 14 जनवरी 2025 को फ्लाइंग टीम/रांची और आरपीएफ/पोस्ट/रांची ने सब इंस्पेक्टर सूरज पांडे के नेतृत्व में रांची रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 18624 एक्सप्रेस से संदिग्ध स्थिति में एक व्यक्ति को पकड़ा और उसके पास से 13,000/- रुपये मूल्य की 12 शराब की बोतलों से भरा बैग बरामद किया। पूछताछ के दौरान संदिग्ध ने अपनी पहचान संजीत कुमार, उम्र लगभग 19 वर्ष, पिता - मनोज राम, निवासी - छोटकी अकौना, थाना - गोसी, जिला - जहानाबाद (बिहार) के रूप में बताई। उसने बताया कि उसने यह शराब की बोतलें रांची से खरीदी थीं और इसे ऊंचे दामों पर बेचने के लिए ट्रेन संख्या 18624 एक्सप्रेस से बिहार जाने की कोशिश कर रहा था।इसके बाद उपरोक्त व्यक्ति को एएसआई रवि शेखर द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और जब्त सामग्री को आगे की कार्रवाई के लिए 15 जनवरी 2025 को आबकारी विभाग, रांची को सौंप दिया गया।

सतीघाट सबसे प्राचीन प्रसिद्ध टुसू मेला है : देवेन्द्र नाथ महतो

रांची। विगत 11 जनवरी को अल्बर्ट एक्का चौक रांची में आयोजित राजधानी टुसू महोत्सव में पारम्परिक रीति रिवाज अनुसार थापी गई टुसू का पारम्परिक विदाई की गई। किसानों का धान कार्य खत्म होने के साथ ही झारखंड का सबसे लंबे समय तक मनाया जानेवाला टुसू परब का धूम चारों तरफ है, मेला में मौत कुआं, पारम्परिक हथियार का दुकान मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। पांच परगना क्षेत्र का प्रसिद्ध सतीघाट टुसू मेला में जेएलकेएम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो भी पहुंचे। मौके पर देवेन्द्र नाथ महतो ने बताया कि मकर के दूसरे दिन अखाईन यात्रा के शुभ अवसर पर रांची जिला के सोनाहातू प्रखंड अंतर्गत राढू, स्वर्णरेखा और कांची नदी त्रिसंगम महातीर्थ स्थल में लगने वाला सतीघाट टुसू मेला सबसे प्राचीन मेला है जो झारखंड और बंगाल राज्य को प्रेम से जोड़ता है। सतीघाट मेला में दूर दराज से लाखों लोग पहुंचते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि विगत 11 जनवरी को अल्बर्ट एक्का चौक मेन रोड रांची में आयोजित राजधानी टुसू महोत्सव में पारम्परिक रीति रिवाज अनुसार थापी गई टुसू का पारम्परिक रीति रिवाज अनुसार टुसू विदाई किया गया।

गोड्डा// प्रतिबिंब पोर्टल की सहायता से पुलिस ने एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल, एक सिम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कायर्ड, गाड़ी के पेपर समेत अन्य समान बरामद किए गए।*

खूंटी । खूंटी थाना अंतर्गत वाहन जांच अभियान चलाया गया । इसमें 21 वाहनों का चालान कुल 91650/- का ऑनलाइन फाइन किया गया ।

ट्राफिक नियमों के प्रति लोगों को किया जागरूक

धनबाद। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी के निर्देशानुसार बुधवार को रणधीर वर्मा चौक, श्रमिक चौक, सिटी सेंटर तथा मेमको मोड में यातायात के नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों का चालान किया गया। साथ ही बुकलेट एवं पंपलेट देकर यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया गया। वहीं मैथन टॉल गेट के समीप लोगों को जागरूक किया गया और वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप भी लगाया गया। मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, रोड इंजिनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार, आईटी देवेंद्र कुमार, ट्राफिक पुलिस एवं एनएचएआई दुर्गापुर के कर्मी उपस्थित थे।

प्रगणकों को दिया निबंधन प्रणाली का प्रशिक्षण

बुधवार को मिश्रित भवन स्थित जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डी.आर.डी.ए.) के सभागार में न्यादर्श निबंधन प्रणाली के अन्तर्गत धनबाद, देवघर एवं जामताड़ा जिले के सभी अंशकालिक प्रगणकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इसमें जनगणना कार्य निदेशालय, झारखण्ड, रांची से उप निदेशक भुपने वोरपुजारी एवं सहायक निदेशक श्री राम भास्कर द्विवेदी की ओर से सभी प्रगणकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला सांख्यिकी पदाधिकारी उमेश लोहरा, प्रमोद कुमार, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार सिंह एवं जिला सांख्यिकी कार्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित रहे। साथ ही जनगणना कार्य निदेशालय, झारखण्ड, रांची के सांख्यिकीय अन्वेषक ग्रेड-2 आशीष कुमार द्वारा जन्म एवं मृत्यु की घटनाओं को मोबाइल ऐप के माध्यम से दर्ज करने से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

बिरसा चौक स्थित नया मोड़ में तीन पहिया वाहनों की जांच

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार एवं राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के तहत आज दिनांक 15 जनवरी 2025 को बोकारो स्टील सिटी अंतर्गत बिरसा चौक स्थित नया मोड़ में तीन पहिया वाहनों की जांच की गई, जिसमें तीन पहिया वाहनों के दाहिने तरफ सेफ्टी रॉड नहीं पाया गया। उन सभी वाहनों में सेफ्टी रॉड लगाया गया तथा सभी वाहनों के दस्तावेजों की भी जांच की गई। जांच के दौरान 19 तीन पहिया वाहनों के दाहिने तरफ सेफ्टी रॉड लगाया गया। साथ ही उन सभी चालकों को सड़क सुरक्षा जागरूकता के विषय में बताया गया। जांच के दौरान जिन चालकों के पास वाहन से संबंधित दस्तावेज नहीं थे। उन सभी चालकों को दस्तावेज दुरुस्त कर वाहन चलाने की अपील की गई। जांच के दौरान ऑटो चालक सहित आम यात्रियों जो लगभग 200 व्यक्ति को जागरूक किया गया। मौके पर यातायात निरीक्षक आर.के. राणा, मोटरयान निरीक्षक अमित महतो, प्रधान सहायक जिला परिवहन कार्यालय लक्ष्मी प्रसाद नारायण, सड़क सुरक्षा अभियंता विशेषज्ञ विशाल कुमार पाठक, सहायक संतोष कुमार आदि उपस्थित थे।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन भुगतान हो अन्यथा जारी रहेगा आंदोलन : रोहित कुमार

धनबाद। मार्क्सवादी युवा मोर्चा के बैनर तले आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन भुगतान को लेकर सिंदरी कॉलेज के मुख्य द्वार पर तालाबंदी कर दिया गया । जिसके बाद रोहित कुमार महतो ने कहा कि लगातार आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का समाधान नहीं होता है और नियमित रूप से वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है तब तक हमलोगों का आंदोलन जारी रहेगा जिसका सारा जिम्मेवारी कॉलेज प्रशासन का होगा । मौके पर सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारी थे।

प्रवासी मजदूरों के निबंधन,लाभ हेतु एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

धनबाद । जिले के तोपचांची प्रखंड में प्रवासी मजदूरों से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार ने प्रवासी श्रमिकों से संबंधित समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वैसे श्रमिक जो रोजगार के लिए दूसरे प्रदेशों, देशों में रोजगार के बेहतर तलाश में जाते है वे अनिवार्य रूप से श्रमाधान.झारखण्ड. जीओवी०इन.कॉम पोर्टल पर प्रवासी मजदूर अधिनियम 1979 के अंतर्गत निबंधन कराकर जाएं ताकि श्रमिकों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो । उनके द्वारा बताया गया कि सामान्य मृत्यु, दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा के कारण जिले के प्रवासी श्रमिक की मृत्यु/अशक्त होने पर उन्हे अपने घर तक लाने के लिए 50 हजार तक की राशि मुख्यमंत्री झारखण्ड प्रवासी श्रमिक दुर्घटना कोष से दी जायेगी,प्रवासी श्रमिक की दुर्घटना में दो अंग या दोनों आँख या अंग की हानि होने पर एवं दुर्घटना/प्राकृतिक आपदा में श्रमिक की मृत्यु होने पर पंजीकृत एवं अपंजीकृत प्रवासी श्रमिकों को 75 हजार से दो लाख रूपये तक का भुगतान किया जायेगा। सहायक श्रमायुक्त के द्वारा श्रम विभाग के संचालित सभी योजनाओं का जानकारी विस्तृत रुप में प्रोजेक्टर (ओडियो, विडियो)के माध्यम से प्रदर्शित किया गया एवं सभी आगन्तुकों से अपील किया गया कि जो भी मजदुर अपने राज्य से दूसरे राज्य में कार्य करने जाते है वे अपना निबंधन प्रवासी मजदूर के रुप में श्रम विभाग में जरुर करवायें। साथ ही सहायक श्रमायुक्त द्वारा बिभाग से संचालित झारखण्ड असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा योजना/ झारखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में निबंधन तथा मुख्यमंत्री सारथि योजना अंर्तगत संचालित योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी गई । जिसमें तोपचाची ब्लॉक के प्रखंड के प्रमुख, उप प्रमुख, मुखिया, वार्ड सदस्य के साथ साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी तोपचाची, अंचलाधिकारी तोपचाची एवं सहायक श्रमायुक्त श्री प्रवीण कुमार भी उपस्थित रहे।

चतरा के बाजारटांड़ रोड में देर रात फायरिंग, युवक को लगी गोली; रिम्स रेफर

चतरा : चतरा के बाजारटांड़ रोड पर मंगलवार रात करीब 10:30 बजे एक युवक पर फायरिंग की घटना हुई। 3-4 राउंड गोलियां चलाई गई। इसमें एक गोली युवक को लगी। घायल युवक की पहचान मुकेश सोनी उर्फ शनिचर के रूप में हुई है। उसे गंभीर हालत में सदर अस्पताल ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया है।

बाइक उठाने के दौरान हुआ हमला स्थानीय लोगों के अनुसार घटना के वक्त शनिचर अपने घर पर था। घर के बाहर उसकी बाइक गिर गई थी। जब वह बाइक उठाने के लिए बाहर आया, तभी घात लगाए अपराधियों ने उस पर गेलियां चला दी। एक गोली उसकी कमर के ऊपर लगी, जबकि कुछ गोलियां दीवार पर भी जा लगी।लिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विपिन कुमार अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मौके से गोली का एक खोखा बरामद किया गया। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि गोलीबारी करने वालों की पहचना की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं गोलियां की अवाज सुनकर इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग डरे हुए हैं और घटना के कारणों को लेकर चर्चाएं कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि फायरिंग के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बेलगाड़िया आवसीय कॉलोनी में विस्थापित परिवारों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु विशेष कैंप का आयोजन

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार, धनबाद द्वारा बेलगाड़िया आवसीय कॉलोनी में विस्थापित परिवारों को विभिन्न योजनाओं का लाभ देने हेतु एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। जिसमे वृद्धा पेंशन, बिधावा पेंशन, राशन कार्ड, आधार कार्ड, जाति, आवसिया, मनरेगा समेत विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से सम्बंधित योजनाओ का लाभ देने हेतु विशेष कैम्प का आयोजन किया गया है। ज्ञात हो की दिनांक - 09.01.2025 को उपायुक्त धनबाद सह प्रबंधक निदेशक जेआरडीए धनबाद के समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में विस्थापित परिवारों को विभाग द्वारा महीने के प्रत्येक 15 तारीक को विशेष कैम्प का आयोजन करने का निर्देश दिया गया है। बेलगाड़िया आवसीय कॉलोनी में स्थित आरएसपी महाविद्यालय में आज का कैम्प का आयोजन किया गया है। जिसमे प्रखंड सह अंचल कार्यालय बलियापुर से प्रखंड पदाधिकारी प्रभाष चंद्रा दास, अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह एवं सभी विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

सूरमा हॉकी क्लब ने ओडिशा वॉरियर्स को 2-1 से हराया

रांची: सूरमा हॉकी क्लब ने विमेंस हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ओडिशा वॉरियर्स को 2-1 से हराया। यह मुकाबला आज रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेला गया। सूरमा की ओर से हिना बानो (6') ने पहला गोल किया, जबकि सोनम (47') ने आखिरी क्वार्टर में बढ़त को दोगुना किया। ओडिशा वॉरियर्स के लिए फ्रेके मोएस (57') ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बनाया, लेकिन उनकी टीम हार को टाल नहीं सकी।

ओडिशा वॉरियर्स ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक तरीके से की। बलजीत कौर ने विपक्षी सर्कल में घुसते हुए सूरमा की गोलकीपर सविता को चुनौती दी। लेकिन जल्द ही सूरमा ने बाएं विंग से अजमीना कुजुर की मदद से पलटवार किया और हिना बानो ने जोसलिन बार्ट्रम को चकमा देकर मैच का पहला गोल किया। इसके तुरंत बाद, वॉरियर्स की साक्षी राणा ने एक पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, लेकिन ईशिका चौधरी गोल करने में असफल रहीं। पहले क्वार्टर के अंत में फ्रेके मोएस ने बराबरी का मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट निशाने से चूक गया।

दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने तेज खेल दिखाया। सूरमा ने कई मौके बनाए लेकिन गोल करने में चूक हुई। छह मिनट शेष रहते वॉरियर्स की ओर से फ्रेके ने पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, लेकिन क्लेयर कॉलविल सविता और उनकी डिफेंस को भेद नहीं सकीं। फ्रेके ने दाहिनी विंग से लगातार दबाव बनाया लेकिन सूरमा की रक्षापंक्ति ने उन्हें गोल करने से रोक दिया।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में सूरमा की सलीमा टेटे और सोनम ने शानदार खेल दिखाया। सलीमा ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन पेनी स्क्विब के शॉट को गोल में नहीं बदल सकीं। सलीमा ने दाहिनी विंग से एक और प्रयास किया लेकिन सर्कल में साथी खिलाड़ी को पास नहीं दे पाईं। दूसरी ओर, फ्रेके मोएस ने अपनी टीम के लिए लगातार मौके बनाए लेकिन सूरमा की गोलकीपर सविता ने हर बार उनका प्रयास विफल कर दिया।

चौथे और अंतिम क्वार्टर में वॉरियर्स ने बराबरी की कोशिशें तेज कर दीं। हालांकि, सूरमा की शार्लेट एंगलबर्ट ने दाहिनी विंग से सोनम को पास दिया और उन्होंने शानदार गोल कर सूरमा को 2-0 की बढ़त दिला दी। वॉरियर्स ने अंतिम क्षणों में पासिंग और हमलों को तेज किया, लेकिन सूरमा की डिफेंस ने मजबूती से मोर्चा संभाला। तीन मिनट शेष रहते फ्रेके मोएस ने तेज रिवर्स शॉट मारकर वॉरियर्स के लिए एक गोल किया। हालांकि, सूरमा ने अपने एक गोल की बढ़त को कायम रखते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

मेरी बेटी मेरा अभिमान, इसका सर कभी झुकने नही दूंगा

धनबाद। कार्मेल स्कूल डिगवाडीह को क्लीन चिट देने का सीधा मतलब है। मेरी बेटी और उसकी सारी सहेलियां झूठी है। ये बात सरासर ग़लत है। मेरी पत्नी ने कहा अगर आप अपनी बेटी को इस हालत में मदद नही करेगें तो आप पिता बनने लायक नहीं है। दो दिन से मेरी बेटी मूझसे बात नहीं कर रहीं हैं। कहती हैं जीवन में कोई भी समस्या आएगी तो, कोई भी मुसीबत आयेगी तो भी आपको नही बताऊंगी। आप वहा भी सौदा कर सकते है। जिस दिन में अपनी बेटी के सम्मान से समझोता करू। वो दिन मेरी जिन्दगी का आखरी दिन हो। इसी को ध्यान में रखकर आज मैं बाल आयोग के सम्मानित सदस्यों से कार्मेल स्कूल डिगवाडीह मे मिला। अपनी मांग उन्हे दी। **अब जो हो** मेरी बेटी और उसकी सहेलियां। मेरे इस प्रयास से बहुत खुस है। मैं चाहूंगा सभी पीड़ित माता पिता अपनी बेटी को समझे और उनका साथ दे। अगर आप आज साथ नहीं देते हैं तो भविष्य में वो कभी भी आपको अपनी बात नहीं बताएगी बेटियों का करे सम्मान वही रखेंगी आपका ध्यान।

धनबाद पेज पर लगेगा राइट टू वर्क के तहत संबंधित पदाधिकारियों पर लगाएं जुर्मानाः उपायुक्त

बोकारो। समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को उपायुक्त विजया जाधव ने जिला समन्वय समिति की बैठक की। बैठक में उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, डीआरडीए निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी बीडीओ/सीओ/बीपीओ आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने क्रमवार विभिन्न योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा की। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को पूरा करने का निर्देश दिया। समीक्षा क्रम में 152 आंगनबाड़ी केंद्रों में 118 पूर्ण है, जबकि 34 केंद्रों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उपायुक्त ने आगामी 31 जनवरी 2025 तक सभी अपूर्ण आंगनबाड़ी केंद्रों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने केंद्र परिसर में कम से कम 05 फलदार पौधा लगाने को कहा। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

अबुआ आवास योजना (एएवाई) के प्रगति की समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने मनरेगा के तहत निर्माणाधीन अबुआए आवास में स्वीकृति के विरूद्ध मास्टर रोल जनरेट की संख्या कम होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवास स्वीकृति के अनुरूप मास्टर रोल जेनरेट कर मानव दिवस सृजित करने को कहा। उन्होंने मानव दिवस का सृजन नहीं होने से आवास के लाभुकों का राइट टू वर्क का अधिकार पूरा नहीं होने को लेकर संबंधित पंचायत सचिव, संबंधित प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी पर जुर्माना लगाकर राशि प्राप्त करने का संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया।

वहीं, समाज कल्याण के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा क्रम में सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में लक्ष्य अनुरूप प्रदर्शन को लेकर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता से जानकारी ली। इस दौरान शिक्षा विभाग से अध्ययनरत छात्राओं के आवेदन प्रपत्र में अंतर की जानकारी दी। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा से 6,371 अंतर के आवेदनों को बैठक कर समाधान करने को कहा। उन्होंने योजना को महत्वकांक्षी बताते हुए शत प्रतिशत छात्राओं को योजना से अच्छादित करने को कहा। इसमें कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

उपायुक्त ने विद्यालयों – आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषाहार का संचालन विभाग द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुसार करने को कहा। उन्होंने बीडीओ/सीओ को विद्यालय – आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर इसकी निगरानी करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी विकास योजनाओं एवं सरकार की संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों की समीक्षा अनुमंडल पदाधिकारियों चास – बेरमो को अपने स्तर पर भी नियमित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कल्याण विभाग की समीक्षा क्रम में प्रि – पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति का भुगतान करने को लेकर सत्यापन व आवंटन की मांग को लेकर पत्राचार करने को कहा। वहीं, छात्राओं का बैंक खाता आधार लिंक नहीं होने को लेकर बैंकों से समन्वय स्थापित कर उप विकास आयुक्त को आधार सीडिंग का शिविर का आयोजन करने का निर्देश दिया।

इससे पूर्व, उप विकास आयुक्त, डीआरडीए निदेशक ने क्रमवार अबुआ आवास योजना (एएवाई), डा. बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर आवास योजना (बीएसबीएएवाई), मनरेगा, पीएम जनमन योजना, डोभा, कुआं निर्माण, खेलकूद मैदान निर्माण आदि विकास योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा की। इस दौरान सभी प्रखंडों को लक्ष्य अनुरूप कार्य करने को कहा।

बैठक में उपस्थित सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्री पियूष ने सर्वजन पेंशन योजना के तहत हुए भौतिक सत्यापन के दौरान अयोग्य लाभुकों, मृत लाभुकों के बैंक खाते से पेंशन राशि की वसूली को लेकर कार्रवाई करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा – निर्देश दिया।

बोकारो में खतियान, खेसरा पंजी, रजिस्टर टू, दाखिल-खारिज के बारे में दी जानकारी

बोकारो : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त विजया जाधव की अध्यक्षता में राजस्व से संबंधित कार्यशाला का आयोजन हुआ।कार्यशाला में बतौर प्रशिक्षक सह विशेषज्ञ भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त पदाधिकारी उदय प्रताप व राम कुमार सिन्हा ने जानकारी दी. उन्होंने राजस्व से संबंधित कार्य-दायित्व, दस्तावेजों के कुशल संधारण से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने राजस्व की छोटी इकाई राजस्व उप निरीक्षक -निरीक्षक-अंचलाधिकारी-डीसीएलआर-एसी आदि के कार्य अधिकार से अवगत करवाया. खतियान, खेसरा पंजी, रजिस्टर टू, रेवन्यू मैप, विलेज इंडेक्स रजिस्टर, करेक्शन स्लिप, गार्ड फाइल, दाखिल-खारिज, भू-मापी-सीमांकन आदि के संबंध में विस्तार से बताया. इससे पहले कार्यशाला की शुरुआत उपायुक्त समेत अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर की. डीसी विजया जाधव ने कहा : कार्यशाला में आये। प्रशिक्षक राजस्व संबंधित मामलों के विशेषज्ञ हैं. राजस्व संबंधित कोई भी मन में प्रश्न या जिज्ञासा हो तो, उसका समाधान प्राप्त कर लें. किसी प्रावधान को समझने में कठिनाई आ रही है, तो उसे भी स्पष्ट कर लें. कार्यशाला में बतायी गयी बातों को ध्यान से सुनें और दैनिक कार्यों के निष्पादन में इस्तेमाल करें. द्वय विशेषज्ञों ने राजस्व से संबंधित विभिन्न प्रावधान व सरकार द्वारा उनमें समय-समय पर किए गए संशोधन के संबंध में जानकारी दी। सेवा काल के दौरान कई अहम मामलों की निष्पादन प्रक्रिया की भी उदाहरण देकर जानकारी दी। मौके पर अपर समाहर्ता मुमताज अंसरी, प्रभारी पदाधिकारी राजस्व शाखा वंदना शेजवलकर, एसडीओ चास प्रांजल ढ़ंडा, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत सभी अंचलाधिकारी, अंचल निरीक्षक व अन्य मौजूद थे।

रांची पुलिस के द्वारा तमाड़, नामकुम एवं दशामफॉल थाना क्षेत्र में अवैध रूप से किए जा रहे अफीम की खेती को ट्रैक्टर तथा ग्रास कटर मशीन चला कर विनिष्ट किया

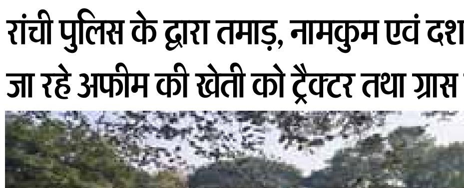

रांची। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रांची के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुंडू के नेतृत्व में तमाड़, बुंडू, लापुंग, खरसीदाग, नामकुम एवं दशामफॉल थाना प्रभारी के द्वारा

1. बुंडू थाना अंतर्गत 03 एकड़
2. तमाड़ थाना अंतर्गत 08 एकड़
3. दशामफॉल थाना अंतर्गत 02 एकड़
4. लापुंग थाना अंतर्गत 2.5 एकड़
5. खरसीदाग थाना अंतर्गत 02 एकड़
6. नामकुम थाना अंतर्गत 02 एकड़

सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र में जंगल झाड़ में लगभग 19.5 एकड़ लगे अफीम को ट्रैक्टर, ग्रास कटर मशीन एवं पुलिस बल के द्वारा विनष्ट किया गया।

उपायुक्त ने किया आधार केंद्र का निरीक्षण किया

साहिबगंज उपायुक्त हेमंत सती ने बुधवार को सिद्धो-कान्हो सभागार स्थित आधार केंद्र का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आधार पंजीकरण और अद्यतन प्रक्रिया का जायजा लेते हुए नागरिकों को सुलभ और समयबद्ध सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। सेवाओं की गुणवत्ता पर जोर निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आधार केंद्र में आने वाले नागरिकों से बात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पदाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आधार पंजीकरण और अद्यतन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी न हो। उपायुक्त ने कहा कि आधार केंद्रों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को उनकी पहचान से जुड़ी सुविधाएं सहजता से उपलब्ध कराना है।तेजी और पारदर्शिता आधार पंजीकरण और अद्यतन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बायोमेट्रिक सत्यापन की प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। सुविधाएं बढ़ाने पर जोर आधाा केंद्र में बैठने, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिए । अधिक नागरिकों की सेवा के लिए अतिरिक्त काउंटर स्थापित करने की कहा गया। डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधनःपंजीकरण और अद्यतन प्रक्रिया के लिए डिजिटल रिकॉर्ड रखने और समय-समय पर इसकी समीक्षा करने के निर्देश दिए।नागरिकों को जागरूक करने का आह्वानउपायुक्त ने कहा कि आधार पंजीकरण और अद्यतन के प्रति नागरिकों को जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जाए। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने आधार केंद्र की सेवाओं की सराहना की और सुधार की दिशा में त्वरित कार्रवाई करने पर जोर दिया। उन्होंने आधार केंद्र को प्रभावी और सुलभ बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

बेंगलुरु में स्टार्टअप हब में भीषण आग, 140 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी में स्थित लाइफ साइंसेज इनक्यूबेशन हब बैंगलोर बायोइनोवेशन सेंटर में मंगलवार शाम को भीषण आग लग गई। इसके कारण कई स्टार्टअप्स को भारी नुकसान पहुंचा है। इससे करीब 140 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

बेंगलुरुः बेंगलुरु की इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी में स्थित लाइफ साइंसेज इनक्यूबेशन हब बैंगलोर बायोइनोवेशन सेंटर में मंगलवार शाम को भीषण आग लग गई। इससे कई स्टार्टअप कंपनियों को नुकसान पहुंचा है। इस आग के कारण करीब 140 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। माना जा रहा है कि आग दूसरी मंजिल पर स्थित एक स्टार्टअप लैबोरेटरी से शुरू हुई। इस आग के कारण दूसरी मंजिल पूरी तरह नष्ट हो गई जबकि पहली मंजिल और ग्राउंड फ्लोर को काफी नुकसान पहुंचा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार द्वारा चलाए जाने वाले Bangalore Bioinnovation Centre में लगी आग से 120 से अधिक लैब्स को नुकसान पहुंचा है। इन सेंटर एक अत्याधुनिक ट्रांसलेशनल रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर है जिसमें लाइफ साइंसेज से जुड़ी सभी स्टार्टअप कंपनियों की जरूरतों को पूरा किया जाता है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक एक सिक्योरिटी गार्ड ने दूसरी मंजिल पर स्थित एक लैब में आग देखी और फायर डिपार्टमेंट की हेल्पलाइन को कॉल किया।

किन कंपनियों को पहुंचा नुकसान फायर विभाग की तीन गाड़ियों को आग बुझाने में करीब पांच घंटे का समय लगा। पुलिस का कहना है कि केमिकल रिएक्शन या शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी। फैसिलिटी में अधिकांश लैब्स एक्सपेरीमेंट के लिए एथेनॉल का यूज करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आग के कारण कई स्टार्टअप कंपनियों को नुकसान पहुंचा है। इनमें Fermbox, Phyxx 44, Ajitha Prodrug, Galore Tx, Ikesia, Immunitas और Yokogawa शामिल हैं। साथ ही कई अन्य स्टार्टअप भी इससे प्रभावित हुए हैं।

4 साल बाद बैन हटते ही रॉकेट हुआ साइकिल कंपनी का शेयर, 20 दिन में दोगुनी हो गई कीमत

साइकिल बनाने वाली कंपनी के शेयर इस समय रॉकेट बने हुए हैं। इस कंपनी ने मात्र 20 दिनों में निवेशकों की रकम दोगुनी से ज्यादा कर दी है। इस कंपनी के शेयरों की खरीद और बिक्री पर दिसंबर 2020 में बीएसई और एनएसई ने बैन लगा दिया था। पिछले महीने ही यह बैन हटा है।

नई दिल्लीः 20 दिन में पैसा डबल। सही पढ़ा आपने। साइकिल बनाने वाली कंपनी के शेयर ने मात्र 20 दिन में रकम दोगुनी कर दी है। इस कंपनी पर साल 2020 में ट्रेडिंग से बैन लगा था। पिछले महीने ही यह बैन हटा है। बैन हटते ही यह शेयर रॉकेट बन गया है। इसमें लगातार अपर सर्किट लग रहा है। यह कंपनी एटलस साइकिल (हरियाणा) लिमिटेड (Atlas Cycles (Haryana) Ltd) है। आज बुधवार को भी इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा। अपर सर्किट के बाद यह शेयर सुबह 11 बजे 136.76 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कल मंगलवार को यह शेयर 130.25 रुपये पर बंद हुआ था। 16 जनवरी से खुलेगा एक और IPO, ग्रे मार्केट में मचाई हुई है धूम, प्राइस बैंड से लेकर जीएमपी तक जानें पूरी डिटेल

साल 2020 में लगा था बैन इस कंपनी के शेयर पर दिसंबर 2020 में बैन लगा था। एटलस ने अपनी वित्त वर्ष 2024 की वार्षिक रिपोर्ट दाखिल की थी। इस रिपोर्ट में कंपनी ने कहा था कि फाइनेंशियल रिजल्ट दाखिल न करने या दाखिल करने में देरी के कारण बीएसई और एनएसई ने 16 दिसंबर 2020 को शेयरों का कारोबार बैन कर दिया था। बीएसई और एनएसई ने पिछले साल 27 दिसंबर को एटलस के शेयरों के कारोबार पर लगा बैन हटा दिया था। यानी बैन हटने में चार साल लग गए। इसके बाद कंपनी के शेयरों में फिर से ट्रेडिंग शुरू हो गई।

20 दिन में पैसा डबल बैन हटते ही कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। 27 दिसंबर को यह शेयर 62.99 रुपये पर खुला था और पहले ही दिन 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। इसके साथ इसकी कीमत 66.13 रुपये हो गई थी। तब से लेकर अब तक इसमें लगातार तेजी आती जा रही है। अभी इस शेयर की कीमत 136.80 रुपये है। ऐसे में देखें तो 27 दिसंबर 2024 से लेकर अब तक 20 दिनों में इसमें 117 फीसदी की तेजी आ गई है। यानी इन 20 दिनों में शेयर की कीमत दोगुनी से ज्यादा हो गई है।

WazirX के 20000000000 चुराने वाले का चल गया पता, तानाशाह के देश से जुड़ा है कनेक्शन

भारतीय क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज वजीरएक्स के अरबों रुपये चुराने वाले का पता चल गया है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने एक संयुक्त बयान जारी कर इस चोर के बारे में बताया है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह काम उत्तर कोरिया के हैकर्स का है।

नई दिल्लीः भारतीय क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज के पिछले साल 235 मिलियन डॉलर (करीब 2000 करोड़ रुपये) चुराने वाले का पता चल गया है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान का कहना है कि इसके लिए उत्तर कोरियाई हैकर्स जिम्मेदार हैं। उत्तर कोरिया को तानाशाह का देश कहा जाता है। वह इसलिए क्योंकि उत्तर कोरिया की कमान किम जोंग उन के पास है। किम जोंग उन का नाम तानाशाह के रूप में लिया जाता है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि उत्तर कोरिया में ऐसे कई ग्रुप हैं जो दुनियाभर में क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज, डिजिटल एसेट कस्टोडियन और क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वाले लोगों को निशाना बनाते हैं। इन ग्रुप में लाजरस ग्रुप भी शामिल है। यह उत्तर कोरिया में स्थित हैकर्स को साइबर हमले के लिए जिम्मेदार ठहराने वाले देशों की ओर से पहला आधिकारिक बयान है। 440% रिटर्न से 44% नुकसान तक... औंधे मुंह गिरा रेलवे का यह शेयर, आज भी आई 8 फीसदी से ज्यादा की गिरावट संयुक्त बयान में चेतावनी दी कि ये हैकर्स इंटरनेशनल फाइनेंशियल सिस्टम के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करते हैं। वजीरएक्स समेत दूसरों की कथित तौर पर चुराई गई रकम का इस्तेमाल उत्तर कोरिया की ओर से बनाए जा रहे अवैध हथियारों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों को फंड देने के लिए किया जा रहा है। अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सरकारों ने क्रिप्टो प्लेटफॉर्म रेडिएंट कैपिटल से 50 मिलियन डॉलर की चोरी के लिए भी उत्तर कोरिया को जिम्मेदार ठहराया।

क्या है वजीरएक्स का मामला? जुलाई 2024 में वजीरएक्स में सेंधमारी हुई थी। भारतीय क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज पर यह सबसे बड़ा साइबर हमला था। इसमें इसके मल्टीसिग (मल्टी-सिग्नेचर) वॉलेट को निशाना बनाया गया था। हैकर्स ने प्लेटफॉर्म के अनुमानित भंडार का लगभग आधा हिस्सा चुरा लिया, जिससे जमा और निकासी रुक गई थी। 29 जुलाई को इकॉनमिक टाइम्स ने बताया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी FBI ने साइबर हमले का विश्लेषण करने और जांच में सहयोग करने के लिए वजीरएक्स से संपर्क किया था। वजीरएक्स के को-फाउंडर निश्चल शेट्टी ने भी कहा था, 'हमें यकीन है कि यह उत्तर कोरिया का लाजरस ग्रुप हो सकता है।'

इनकम टैक्स बचाने का सॉलिड तरीका, 10 लाख की कमाई पर नहीं देना होगा एक भी रुपया

काफी लोगों ने इनकम टैक्स बचाने के लिए इन्वेस्टमेंट प्लान बनाना शुरू कर दिया है। आप अलग-अलग स्कीम में निवेश करके 10 लाख रुपये की सालाना सैलरी पर भी इनकम टैक्स की देनदारी जीरो कर सकते हैं। जानें सालाना 10 लाख की कमाई पर कैसे नहीं देना होगा एक रुपया भी इनकम टैक्सः

नई दिल्लीः *जब भी सालाना 2.50 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई की बात आती है, इनकम टैक्स की भी चर्चा शुरू हो जाती है। इनकम टैक्स के नियमों के मुताबिक सालाना 2.50 लाख रुपये से ज्यादा कमाने वाले इनकम टैक्स के दायरे में आते हैं। ऐसे लोगों को इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना जरूरी होता है। अगर देनदारी निकलती है तो इनकम टैक्स भरना भी पड़ता है। हालांकि कई ऐसे तरीके हैं जिनकी मदद से आप अपनी इनकम टैक्स देनदारी कम या जीरो भी कर सकते हैं। अगर आप सालाना 10 लाख रुपये कमाते हैं तो आपकी इनकम टैक्स देनदारी जीरो हो सकती है। यानी आपको इनकम टैक्स के रूप में एक रुपया भी नहीं देना होगा।*

दो तरह की हैं अभी व्यवस्थाएं *अभी इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की दो व्यवस्थाएं हैं। पहली पुरानी और दूसरी नई। पुरानी व्यवस्था में 2.50 लाख रुपये तक और नई व्यवस्था में 3 लाख रुपये तक इनकम टैक्स रेट जीरो है। इससे ज्यादा की कमाई पर इनकम टैक्स अलग-अलग स्लैब के अनुसार लगता है। ये स्लैब नीचे फोटो में दिए गए हैं।*

क्या है दोनों व्यवस्था में अंतर? *काफी लोग इंश्योरेंस, एसएसवाई, एफडी आदि में निवेश करते हैं। ऐसी स्कीम में निवेश की जाने वाली रकम पर इनकम टैक्स की अलग-अलग धाराओं में कटौती मिलती है। किसी एक धारा में सालाना यह कटौती 2 लाख रुपये तक हो सकती है। ऐसे में अलग-अलग धाराओं में आने वाली स्कीम में निवेश करके कटौती का लाभ ले सकते हैं। वहीं नई व्यवस्था में इस तरह की कटौती का लाभ नहीं मिलता। नई व्यवस्था में सिर्फ 75 हजार रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलता है। अगर आप नई व्यवस्था के अनुसार अपनी रिटर्न फाइल करते हैं तो आपको इनकम टैक्स के रूप में मोटी रकम देनी पड़ सकती है।* ***कितनी करनी होगी कटौती?*** *10 लाख की सालाना कमाई पर इनकम टैक्स जीरो करने के लिए आपको पुरानी टैक्स व्यवस्था के अनुसार इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना होगा। पुरानी व्यवस्था में आईटीआर फाइल करने पर आप इन जगहों पर कटौती का लाभ ले सकते हैंः*

स्टैंडर्ड डिडक्शनः 50 हजार रुपये

80C (पीपीएफ, ईपीएफ, एसएसवाई, एनसीएस आदि) मेंः 1.50 लाख रुपये की कटौती 80D (हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम)ः 25 हजार रुपये की कटौती 80TTA (सेविंग बैंक अकाउंट में मिली ब्याज)ः 10 हजार रुपये की कटौती

देश के बैंकों में 1.50 लाख करोड़ कैश की कमीः जमा पर ब्याज बढ़ रहा; डिपॉजिटि की ब्याज दरें 7.50% तक पहुंचीं

मुंबई रिजर्व बैंक के मुताबिक बैंक हर 100 रुपए के डिपॉजिट पर 80 रुपए का लोन बांट रहे हैं। देश के बैंकों में कैश की किल्लत एक बार फिर बढ़ गई है। दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में देश के बैंकिंग सिस्टम में नकदी की कमी 1.5 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। इससे निपटने के लिए बैंक डिपॉजिट बढ़ा रहे हैं। नतीजतन डिपॉजिट की ब्याज दरें 7.50% तक पहुंच गई हैं। कुछ बैंकों ने ज्यादा ब्याज वाली नई स्कीम्स की आखिरी तारीख बढ़ाई है और कुछ ने नई एफडी स्कीम्स लॉन्च की हैं। आईडीबीआई जैसे बैंक सीनियर और सुपर सीनियर सिटीजंस को 0.65% तक ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। इसके चलते सुपर सीनियर सिटीजंस के लिए ब्याज दरें 8.05% तक हो गई हैं। दिसंबर के पहले सप्ताह में बैंकों का कैश सरप्लस 1 लाख करोड़ रुपए था। बाद के पखवाड़े में टैक्स चुकाने के लिए निकासी और विदेशी मुद्रा बाजार में आरबीआई के दखल से नकदी घट गई। बंधन बैंक के चीफ इकोनॉमिस्ट सिद्धार्थ सान्याल ने कहा कि अब रेट बढ़ाकर डिपॉजिट बढ़ाने का दबाव बढ़ गया है। **बैंकों में कैश बढ़ाने के लिए डॉलर-रूपी स्वैप का सहारा** बैंकों ने रिजर्व बैंक से लिक्विडिटी बढ़ाने के उपाय करने की अपील की थी। इसके बाद आरबीआई ने पिछले सप्ताह डॉलर-रूपी स्वैप का इस्तेमाल किया। आरबीआई ने करीब 3 अरब डॉलर के स्वैप का इस्तेमाल किया।

इससे बैंकों को करीब 25,970 करोड़ रुपए का कैश मिला। स्वैप की मैच्योरिटी 3,6 और 12 महीने है। लेकिन ये पर्याप्त नहीं है। उन्हें करीब 1.25 लाख की नकदी और चाहिए। हर 100 के डिपॉजिट पर 80 का लोन बांट रहे बैंक रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 27 दिसंबर 2024 तक बैंकों का डिपॉजिट 9.8% की दर से बढ़ा। इसी दौरान क्रेडिट ग्रोथ यानी कर्ज बांटने की रफ्तार सालाना 11.16% रही। कुल डिपॉजिट 220.6 लाख करोड़ और लोन 177.43 लाख करोड़ तक पहुंच गया। यानी बैंक हर 100 रुपए के डिपॉजिट पर 80 रुपए का लोन बांट रहे हैं। क्रेडिट टू डिपॉजिट का यह रेश्यो 2023 में 79% था, जो 73% होना चाहिए।

लक्ष्मी डेंटल का IPO अब तक टोटल 31.77 गुना सब्सक्राइबः NII कैटगरी में सबसे ज्यादा 75.08 गुना भरा, आज बोली लगाने का आखिरी दिन

लक्ष्मी डेंटल लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी IPO के लिए आज बोली लगाने का आखिरी दिन है। आज दोपहर 12 बजे तक यह IPO टोटल 31.77 गुना सब्सक्राइब हुआ। रिटेल कैटेगरी में यह इश्यू 46.97 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसके साथ ही क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) कैटेगरी में 5.05 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) कैटगरी में सबसे ज्यादा 75.08 गुना सब्सक्राइब हुआ। लक्ष्मी डेंटल का IPO 13 जनवरी को ओपन हुआ था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर 20 जनवरी को कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी टोटल 698.06 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी के मौजूदा निवेशक 560.06 करोड़ के 1,30,85,467 शेयर बेच रहे हैं। इसके साथ ही कंपनी 138 करोड़ के 32,24,299 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। अगर आप भी इसमें पैसा लगाने का प्लान बना रहे हैं तो हम आपको बता रहे हैं कि आप इसमें कितना निवेश कर सकते हैं।

6,46,29,31,95,000... गौतम अडानी ने 24 घंटे में बदल दी बाजी,

नई दिल्लीः अडानी ग्रुप के शेयरों में मंगलवार को काफी तेजी देखने को मिली। इस तेजी से ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 7.47 अरब डॉलर यानी करीब 6,46,29,31,95,000 रुपये की तेजी आई। इसके साथ ही वह 73.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ से साथ एक बार फिर दुनिया के टॉप 20 अमीरों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। सोमवार को वह इस लिस्ट से बाहर हो गए थे लेकिन एक ही दिन में उन्होंने बाजी पलट दी। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी मंगलवार को दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति रहे। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.24 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अडानी ग्रुप के शेयरों में मंगलवार को 20% तक तेजी आई। सबसे ज्यादा तेजी अडानी पावर में रही। इस कंपनी का शेयर 19.77 फीसदी उछला। अडानी ग्रीन एनर्जी में 13.22 फीसदी, अडानी एनर्जी सॉल्यूशन में 12.06 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज में 7.12 फीसदी, अडानी टोटल गैस में 6.52 फीसदी और एनडीटीवी में 6.49 फीसदी तेजी रही। अडानी पोर्ट्स, एसीसी और अंबूजा सीमेंट में भी 4 फीसदी से अधिक उछाल आई। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स में 1000 अंक से अधिक गिरावट आई थी जबकि मंगलवार को इसमें 169 अंक की तेजी आई। **कौन-कौन हैं टॉप पर** दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में मंगलवार को 5.01 अरब डॉलर की गिरावट आई जबकि मार्क जकरबर्ग ने भी 4.85 अरब डॉलर गंवाए। मस्क 427 अरब डॉलर के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस (237 अरब डॉलर) दूसरे, जकरबर्ग (210 अरब डॉलर) तीसरे, लैरी एलिसन (182 अरब डॉलर) चौथे और बर्नार्ड अरनॉल्ट (179 अरब डॉलर) पांचवें नंबर पर हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में मंगलवार को 8.56 करोड़ डॉलर की तेजी आई। वह 90.2 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर बने हुए हैं।

META को संसदीय समिति मानहानि नोटिस भेजेगीः CEO जुकरबर्ग ने कहा था- कोविड के बाद मोदी सरकार हारी; कमेटी बोली- गलत जानकारी फैलाई

नई दिल्ली *जो रोगन के पॉडकास्ट में मार्क जुकरबर्ग 10 जनवरी को पहुंचे थे। फेसबुक, वॉट्सएप, इंस्टाग्राम को ऑपरेट करने वाली कंपनी META को भारत की संसदीय समिति मानहानि का समन भेजेगी। यह समन META के CEO मार्क जुकरबर्ग के उस बयान को लेकर भेजा जाएगा, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोविड के बाद भारत में मोदी सरकार हार गई थी। भाजपा सांसद और कम्युनिकेशन-इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने मंगलवार को कहा कि META को गलत जानकारी फैलाने के लिए माफी मांगनी चाहिए। CEO मार्क जुकरबर्ग ने 10 जनवरी को एक पॉडकास्ट में कहा था, '2024 में कोविड के सरकारों का गिरना उनके प्रति जनता का अविश्वास दिखाता है।' जुकरबर्ग के बयान के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था, 'भारत के चुनाव में 64 करोड़ लोग शामिल हुए थे। लोगों ने PM मोदी और NDA पर भरोसा किया। जुकरबर्ग को तथ्यों और विश्वसनीयता को कायम रखना चाहिए।' 2024 का साल दुनिया के लिए उथल-पुथल भरा रहा और कोविड के बाद हुए चुनाव में भारत समेत कई देशों की सरकारें गिर गईं।*

भारतीय संसद से माफी मांगे META- दुबे *लोकसभा में गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, 'हमने तय किया है कि हम मेटा के लोगों को बुलाएंगे। जुकरबर्ग ने बयान देकर दिखाया है कि कोविड-19 के बाद सरकार के खिलाफ माहौल बनाया गया है, जिसमें उन्होंने भारत का भी जिक्र किया है। उनका यह बयान चिंताजनक है। इस तरह के बयान से पता चलता है कि वह देश के लोकतंत्र में हस्तक्षेप कर रहे हैं और दुनिया को गलत जानकारी देकर गुमराह कर रहे हैं कि भाजपा-एनडीए हार गई है।' दुबे ने कहा कि 'हमने तय किया है कि हम मेटा के लोगों को बुलाएंगे। उन्हें माफी मांगनी होगी, नहीं तो हमारी समिति कार्रवाई करेगी। हम समिति के सदस्यों से बात करेंगे और 20-24 जनवरी के बीच उन्हें उपस्थित होने के लिए कहेंगे।'*

जो रोगन के पॉडकास्ट इंटरव्यू में पहुंचे थे जुकरबर्ग *मार्क जुकरबर्ग जो रोगन के साथ एक पॉडकास्ट में कोविड-19 महामारी के बाद सरकारों में विश्वास की कमी पर चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2024 एक बड़ा चुनावी साल था। भारत समेत इन सभी देशों में चुनाव थे। लगभग सभी सत्ताधारी चुनाव हार गए। पूरे साल में किसी न किसी तरह की वैश्विक घटना हुई। चाहे वो मुद्रास्फीति के कारण हो। कोविड से निपटने के लिए आर्थिक नीतियों के कारण या सरकारों द्वारा कोविड से निपटने के तरीके के कारण। ऐसा लगता है कि इसका प्रभाव वैश्विक था। लोगों की नाराजगी और गुस्से ने दुनिया भर में चुनाव परिणामों को प्रभावित किया।*

आज IDBI और Central Bank समेत ये शेयर कराएंगे फायदा, तेज के संकेत

दलाल स्ट्रीट पर मंगलवार को तेजी देखने को मिली थी। दोनों प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए थे। बंबई शेयर बाजार (BSE) का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 169.62 अंक चढ़कर 76499.63 अंक पर पहुंचा था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 90.10 अंक बढ़कर 23176.05 पर बंद हुआ था।

मुंबईः स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को चार दिन से जारी गिरावट पर विराम लगा था। बीएसई सेंसेक्स 170 अंक के लाभ में रहा था। खुदरा महंगाई दर में नरमी और वैश्विक बाजारों में तेजी से घरेलू बाजार पर भी सकारात्मक असर पड़ा था। इसके अलावा एनर्जी, बैंक और मेटल शेयरों में निचले स्तर पर लिवाली से भी बाजार को समर्थन मिला था। हालांकि, निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल के दाम में तेजी से शेयर बाजार पर दबाव बना। इसका लाभ सीमित रहा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 169.62 अंक यानी 0.22 फीसदी की बढ़त के साथ 76,499.63 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय यह 505.6 अंक तक चढ़ गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 90.10 अंक यानी 0.39 फीसदी की बढ़त के साथ 23,176.05 अंक पर बंद हुआ था। सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से अडनी पोर्ट्स में पांच फीसदी से अधिक की तेजी आई थी। इसके अलावा एनटीपीसी, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, जोमैटो, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक और मारुति के शेयर भी फायदे में रहे थे।

हल्दीराम को खरीदने की होड़ में अब पेप्सिको भी कूदी, सीधे अमेरिका हेडक्वार्टर से हो रही है डील

नई दिल्लीः स्नैक्स और मिठाइयां बनाने वाली दिग्गज कंपनी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने को होड़ दिलचस्प हो गई है। अमेरिका की दिग्गज कंपनी पेप्सिको भी अब इसमें कूद गई है। सूभों के मुताबिक कंपनी के अधिकारी हल्दीराम स्नैक्स फूड में हिस्सेदारी खरीदने के लिए सीधे प्रमोटर अग्रवाल फैमिली से बातचीत कर रहे हैं। पेप्सिको के अलावा सिंगापुर की कंपनी टेमासेक और अल्फा वेव ग्लोबल भी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में शामिल हैं। इन दोनों कंपनियों ने हल्दीराम में 10-15% हिस्सेदारी खरीदने के लिए ऑफर दिया है। सूत्रों के मुताबिक न्यूयॉर्क में पेप्सिको हेडक्वार्टर के अधिकारियों ने हाल के दिनों हल्दीराम में माइनोरिटी स्टेक खरीदने के लिए अग्रवाल परिवार के सदस्यों के साथ सीधे बातचीत शुरू की है। हालांकि यह बातचीत अभी शुरुआती स्तर पर है और संभव है कि यह अंजाम तक न पहुंचे। माना जा रहा है कि अगर यह डील आगे बढ़ती है तो इसमें फंडिंग भी अमेरिका की मूल कंपनी करेगी। पेप्सिको की भारतीय यूनिट की इसमें ज्यादा भूमिका नहीं है। अग्रवाल फैमिली 85,000-90,000 करोड़ रुपये की वैल्यूएशन की उम्मीद कर रही है। किससे मिल रही चुनौती लेज चिप्स, कुरकुरे नमकीन स्नैक्स और डोरिटोस नाचो चिप्स बनाने वाली कंपनी पेप्सिको को भारतीय स्नैक्स बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

अफगानिस्तान में जासूसी कर रहा पाकिस्तान? काबुल में ISI के 150 एजेंट, तालिबान की बढ़ी टेंशन

अफगानिस्तान में पाकिस्तान की घुसपैठ बढ़ती जा रही है। वर्तमान में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के करीब 150 एजेंट काबुल में मौजूद हैं। ये तालिबान सरकार के मंत्रालयों से लेकर नेताओं के घरों तक की जासूसी कर रहे हैं। इसके अलावा इन जासूसों की नजर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र पर भी है।

काबुलः पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। काबुल पर काबिज अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को उसकी संप्रभुता का सम्मान करने की हिदायत दी है। यह चेतावनी हाल में ही अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमलों के बाद दी गई है। इस बीच अफगानिस्तान के पूर्व उप-राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह के करीबी सूत्रों ने दावा किया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र की जासूसी कर रही है। पहले भी ऐसी रिपोर्ट्स आ चुकी हैं कि आईएसआई अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ इस्लामिक स्टेट को समर्थन दे रही है, ताकि अफगानिस्तान में हालात बदतर बन जाएं। न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, सालेह के करीबी सूत्रों ने बताया है कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) के पास एक जासूस है, जिसके पास अफ़गानिस्तान एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर (ATC) और हवाई अड्डों पर मुखबिर हैं, जो हवाई मार्ग और मैनिफ़ेस्ट सहित सभी जानकारी इकट्ठा करते हैं। बताया गया है, "स-आदत मोहम्मद, पासपोर्ट नंबर CF8157287, एक ISI अधिकारी के रूप में काम करता है। इसे अफ़गान विमानन प्रणाली पर खुफिया जानकारी इकट्ठा करने का काम सौंपा गया है। वह हवाई अड्डों, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और तालिबान के आंतरिक मंत्रालय के भीतर मुखबिरों और सहयोगियों के एक व्यापक नेटवर्क की देखरेख करता है। इस अधिकारी ने अफगानिस्तान में चार प्रमुख हवाई अड्डों को संभालने वाली यूएई के स्वामित्व वाली कंपनी GAAC में घुसपैठ करने का भी प्रयास किया था।"

खोस्त प्रांत हवाई अड्डे की भी जासूसी कर रहा पाकिस्तान रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि फरवरी 2024 में मोहम्मद ने खोस्त प्रांत हवाई अड्डे के मैनेजमेंट के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने के संबंध में तालिबान के साथ बातचीत की थी। सूत्रों ने बताया कि तालिबान ने अनिच्छा दिखाई कि इस तरह की व्यवस्था बहुत स्पष्ट और संभावित रूप से प्रतिकूल होगी। बाद में, मोहम्मद की दूसरी पेशकश खोस्त हवाई अड्डे पर विशिष्ट पेशेवरों की गुप्त नियुक्ति के लिए थी, जिसे गुप्त समझौते के साथ पूरा किया गया। उन्होंने कहा, "इसे स्वीकार कर लिया गया और बाद में खोस्त हवाई अड्डे में संचालन और गतिविधियों से संबंधित सभी जानकारी, जिसमें उड़ान विवरण भी शामिल हैं, मोहम्मद को गुप्त रूप से भेज दी गई।" **अफगानिस्तान में ISI की बड़ी फौज** पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आईएसआई की एक बड़ी फौज तैनात की है। एक अनुमान के मुताबिक काबुल में पाकिस्तानी दूतावास में 150 से ज्यादा आईएसआई के एजेंट हैं। ऐसा दावा अमरुल्लाह सालेह और अफ़गानिस्तान ग्रीन ट्रेंड (AGT) ने भी किया है। पाकिस्तान ने 2024 में काबुल में भारतीय राजनयिकों की मौजूदगी के बाद अपनी खुफिया एजेंसी की ताकत को लगभग दो गुना कर दिया है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि आईएसआई के कई एजेंट तालिबान सरकार के वरिष्ठ नेताओं और अधिकारियों के सीधे संपर्क में हैं। इनसे आईएसआई को तालिबान सरकार के अंदर की खबर भी मिल रही है।

तालिबान को पुचकार, टीटीपी पर वार... पाकिस्तान के 'मुल्ला जनरल' असीम मुनीर ने अलापा इस्लाम राग

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर तालिबान के मुद्दे पर नरम पड़ते दिख रहे हैं। उन्होंने एक बैठक के दौरान कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवाद टीटीपी की उसके क्षेत्र में मौजूदगी और सीमा पार हमले हैं। उन्होंने टीटीपी को इस्लाम का दुश्मन करार दिया, जबकि तालिबान से अच्छे संबंधों की वकालत की।

__इस्लामाबादः__ पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कहा है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवाद प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की उसके क्षेत्र में मौजूदगी और सीमा पार हमले को लेकर है। जनरल मुनीर को 'मुल्ला जनरल' भी कहा जाता है। सरकारी प्रसारक 'पीटीवी न्यूज' के हवाले से 'डॉन' अखबार ने बताया कि सेना प्रमुख ने सोमवार को पेशावर में खैबर पख्तूनख्वा के नेताओं के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश के राजनीतिक नेतृत्व ने सैन्य अधिकारियों से पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा समस्याओं के समाधान के लिए अफगानिस्तान के साथ बातचीत करने को कहा है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर लगातार झड़पों के कारण रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं। पाकिस्तान लगातार अफगानिस्तान से मांग करता रहा है कि वह टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई करे, क्योंकि वह अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान में हमले करने के लिए कर रहा है। अफगानिस्तान ने इन आरोपों से इनकार किया है। पिछले महीने, झड़पों के दौरान अफगानिस्तान के कम से कम आठ लोग मारे गए और 13 लोग घायल हो गए। अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत में कथित टीटीपी शिविरों पर पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों द्वारा बमबारी किए जाने के बाद से दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। इस झड़प में फ्रंटियर कोर का एक सैनिक मारा गया, जबकि 11 अन्य घायल हो गए। यह झड़प अफगानिस्तान की ओर से आतंकवादियों द्वारा पाकिस्तान में घुसपैठ करने की नाकाम कोशिश के बाद शुरू हुई थी।

इजरायल का एल्बिट हर्मीस 900 ड्रोन कितना ताकतवर, जो पोरबंदर में हुआ क्रैश, भारतीय नौसेना कर रही थी टेस्ट

भारतीय नौसेना का एल्बिट हर्मीस 900 ड्रोन टेस्ट के दौरान पोरबंदर तट पर क्रैश हो गया। इस ड्रोन को लाइसेंस के तहत अडानी डिफेंस ने भारत में असेंबल किया था। हर्मीस 900 की गिनती इजरायल के सबसे शक्तिशाली ड्रोन में की जाती है। हालांकि, हाल के युद्ध के दौरान इसे लेबनान में दो बार मार गिराया गया।

__तेल अवीवः__ इजरायल का एल्बिट हर्मीस 900 ड्रोन टेस्टिंग के दौरान गुजरात के पोरबंदर तट के करीब क्रैश हो गया। इस ड्रोन का परीक्षण भारतीय नौसेना कर रही थी। हर्मीस 900 को भारत में दृष्टि 10 के नाम से भी जाना जाता है। एल्बिट हर्मीस 900 को इजरायल से लाइसेंस के तहत अडानी डिफेंस भारत में असेंबल करती है। भारतीय नौसेना पिछले कई महीनों से हर्मीस 900 ड्रोन को ऑपरेट कर रही है, जबकि सेना ने इसका ऑर्डर दिया हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि इजरायल का एल्बिट हर्मीस 900 ड्रोन कितना ताकतवर है। __हर्मीस 900 शक्तिशाली इजरायली ड्रोन__ हर्मीस 900 ड्रोन 30 घंटे से अधिक समय तक हवा में रहने में सक्षम हैं। आमतौर पर इस ड्रोन का इस्तेमाल टोही मिशनों के साथ-साथ हवाई बमबारी सहित विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए उपयोग किया जाता है। हर्मीस 900 ड्रोन को पहली बार 2014 में गाजा में इजरायल के युद्ध के दौरान पेश किया गया था। हर्मीस 900 ड्रोन को हर्मीस 900 कोचाव या स्टार के नाम से भी जाना जाता है। यह उन चार घातक किलर ड्रोन में से एक है, जिनका उपयोग इजरायल करता है। __हर्मीस 900 ड्रोन की खासियतें जानें__ हर्मीस 900 कोचव एक इजरायली मीडियम साइज का, मल्टी-पेलोड, मीडियम एल्टीट्यूड वाला लंबे समय तक उड़ान भरने वाला मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) है। इसे कई तरह के सामरिक मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है। यह ड्रोन हर्मीस 450 सीरीज का अपग्रेडेड वर्जन है, जो दुनिया में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले सैन्य ड्रोन में से एक है। हर्मीस 900 लगातार 30 घंटे तक उड़ान भर सकता है। यह ड्रोन 30,000 फीट (9,100 मीटर) की अधिकतम ऊंचाई पर उड़ सकता है। __कौन-कौन से मिशन कर सकता है हर्मीस 900 ड्रोन__ हर्मीस 900 ड्रोन का मुख्य मिशन टोही, निगरानी और कम्युनिकेशन रिले है। हर्मीस 900 का पंखों का फैलाव 15 मीटर (49 फीट) है और इसका वजन 970 किलोग्राम (2,140 पाउंड) है। इस इजरायली ड्रोन की पेलोड क्षमता 300 किलोग्राम (660 पाउंड) है। हर्मीस 900 ड्रोन के पेलोड में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड सेंसर, सिंथेटिक-एपर्चर रडार/ग्राउंड-मूविंग टारगेट इंडिकेशन, कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर और हाइपरस्पेक्ट्रल सेंसर शामिल हैं। __हर्मीस 900 ड्रोन का कब हुआ पहला इस्तेमाल__ इजरायल ने हर्मीस 900 का इस्तेमाल पहली बार जुलाई 2014 में ऑपरेशन प्रोटेक्टिव एज के दौरान किया था। इस दौरान इस ड्रोन ने अपनी ताकत से इजरायल को चौंका दिया था। इसने अपने पूर्ववर्ती वेरिएंट हर्मीस 450 से बेहतर प्रदर्शन किया। इस दौरान हर्मीस 900 ने 15 जुलाई, 2014 को गाजा में हमास के कई मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को नष्ट कर दिया था।

यूक्रेन ने रूस पर किया 'सबसे बड़ा' हमला, ब्रिटिश और अमेरिकी मिसाइलों के साथ दागे 150 ड्रोन, मॉस्को बोला- करारा जवाब देंगे

यूक्रेन ने रूस के ऊपर अमेरिका और ब्रिटेन से हासिल मिसाइलों के जरिए बड़ा हमला किया है। इसके साथ ही उसने लगभग 150 ड्रोन भी रूसी सैन्य सुविधाओं पर निशाना लगाने के लिए दागे। मॉस्को ने यूक्रेनी सेना के हमले की पुष्टि करते हुए इसे बड़े पैमाने पर बताया है।

कीवः यूक्रेन ने रूसी सैन्य बलों पर अब तक का सबसे बड़ा हमला करने का दावा किया है। यूक्रेनी सेना ने इस हमले में ब्रिटेन में बनी 6 स्टॉर्म शैडो और अमेरिकी ATACMS सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। कीव ने रूस के अंदर कम से कम 146 ड्रोन भी भेजे हैं, जो देश में लगभग 1100 किमी की दूरी तक हमला करने की क्षमता रखते हैं। इस हमले में रूस के दक्षिणी-पश्चिमी इलाके को निशाना बनाया गया है। मॉस्को ने बड़े पैमाने पर हमले की पुष्टि की है और जवाब देने की कसम खाई है। **रूस ने खाई जवाबी हमला करने की कसम** रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'पश्चिम समर्थित कीव शासन की कार्रवाइयों को बिना जवाब दिए नहीं जाने दिया जाएगा।' यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कीव की सेना ने दक्षिण-पश्चिम रूप के ब्रांस्क में एक केमिकल प्लांट पर हमला किया, जहां रूसी तोपखाने, रॉकेट लॉन्च सिस्टम और क्रूज मिसाइलों के उत्पादन के लिए जाना जाता है। **रिफाइनरी को बनाया गया निशाना** यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि क्रिस्टल तेल संयंत्र और सारातोव में एक रिफाइनरी पर भी हमला किया गया है। उन्होंने कहा, 'रूसी सैन्य सुविधाओं का विनाश जारी है।' इस बड़े पैमाने पर हमले के कारण मंगलवार सुबह 6 रूसी शहरों को अपने हवाई क्षेत्रों को प्रतिबंधित करना पड़ा। इसमें सारातोव और एंजेल्स शहर भी शामिल हैं, जहां तेल रिफाइनरियों पर हमला किया गया था। सारातोव के गवर्नर रोमन वी. बुसार्गिन ने टेलीग्राम पर पोस्ट में पुष्टि की कि दोनों में औद्योगिक संयंत्रों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'आज सारातोव और एंजेल्स पर बड़े पैमाने पर यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) हमला किया गया। वायु रक्षा ने बड़ी संख्या में लक्ष्यों को नष्ट कर दिया है।' एक सप्ताह में दूसरी बार था जब यूक्रेन ने एंजेल्स को निशाना बनाया। यहां एक रूसी एयरबेस है जो रूस अपने लंबी दूरी के परमाणु बमवर्षक रखता है। तुला में भी अधिकारियों ने यूक्रेन के हमले को बड़े पैमाने पर बताया। **तीसरा विश्वयुद्ध अब होगा! रूस ने क्यों दी चेतावनी?** किंग्स कॉलेज लंदन की सैन्य विश्लेषक मरीना मिरॉन ने टेलीग्राफ को बताया कि यूक्रेन का ताजा हमला ट्रंप को वॉइट हाउस में लौटने से पहले अधिकतम असर डालने के लिए किया गया हो सकता है। मिरॉन ने कहा, 'ट्रंप के वॉइट हाउस में प्रवेश से पहले यूक्रेन अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और अपनी स्थिति में सुधार करने की कोशिश कर रहा है।' साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के हमले रूस की सैन्य क्षमताओं के लिए बड़ा खतरा नहीं है।

ब्रिटेन में शेख हसीना की भतीजी का मंत्री पद खा गए मोहम्मद यूनुस, ट्यूलिप सिद्धीक ने दिया इस्तीफा

ब्रिटेन की सरकार में थिंक मामलों की मंत्री के रूप में कार्यरत ट्यूलिप सिद्दीक ने इस्तीफा दे दिया है। उन पर बांग्लादेश के कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए छे। उन्होंने ब्रिटेन की सरकार से ट्यूलिप सिद्दीक और उनके परिवार की संपत्तियों की जांच की मांग की थी।

लंदनः बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की शिकायत के बाद शेख हसीना की भतीजी ट्यूलिप सिद्दीक ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने ब्रिटिश मंत्री ट्यूलिप सिद्दीक और उनके परिवार की संपत्तियों की जांच की मांग की थी। इसके बाद से ही ट्यूलिप सिद्दीक के इस्तीफे की अटकलें लगाई जा रही थी। वह 9 जुलाई 2024 से ब्रिटेन की लेबर सरकार में आर्थिक सचिव और शहर के मंत्री के रूप में काम कर रही थीं। वह 2010 से 2014 तक रीजेंट पार्क के लिए कैमडेन लंदन बरो काउंसिलर थीं।

ट्यूलिप ने आरोपों से किया खारिज 42 वर्षीय ट्यूलिप सिद्दीक ने बार-बार किसी भी गलत काम से इनकार किया था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने भी पिछले सप्ताह कहा था कि उन्हें ट्यूलिप सिद्दीक पर पूरा भरोसा है। दो महीने में दूसरी बार सरकार के मंत्री के इस्तीफे को प्रधानमंत्री स्टारमर के लिए बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। हाल के सर्वेक्षणों में स्टारमर की अप्रूवल रेटिंग जुलाई 2024 में आम चुनाव में उनकी लेबर पार्टी की जीत के बाद से गिर गई है। चुनाव के बाद सिद्दीक को वित्तीय सेवा नीति का पोर्टफोलियो सौंपा गया था, जिसमें मनी-लॉन्ड्रिंग के खिलाफ उपायों की जिम्मेदारी भी शामिल थी। **इस्तीफा देकर क्या बोलीं ट्यूलिप** एक बयान में, सिद्दीक ने कहा कि हालांकि उनके वित्तीय मामलों की जांच में पाया गया कि उन्होंने मंत्री पद की आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया है, लेकिन उनका पद "सरकार के काम में बाधा उत्पन्न करने वाला" है। उन्होंने कहा, "इसलिए मैंने अपने मंत्री पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।" स्टारमर ने तुरंत ही पेंशन मंत्री एम्मा रेनॉल्ड्स को सिद्दीक की जगह पर नियुक्त कर दिया। **मोहम्मद यूनुस ने क्या आरोप लगाए थे** टाइम्स अखबार को दिए एक इंटरव्यू में मोहम्मद यूनुस ने सिद्दीक और उनके परिवार को "उनकी मौसी की अपदस्थ सरकार के सहयोगियों" द्वारा उपहार में दी गई संपत्तियों के उपयोग की निंदा की। उन्होंने मांग की कि यदि यह पाया जाता है कि उन्हें "स्पष्ट लाभ'' मिला है तो उनकी संपत्ति बांग्लादेश को वापस कर दी जाए। यूनुस ने कहा, "यह साफ तौर पर डकैती है।" उन्होंने पिछली सरकार पर धोखाधड़ी के जरिये धन की हेराफेरी करने का आरोप लगाया, जिसका देश पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा है। **पनामा पेपर्स से जुड़ा था नाम** यूनुस का बयान तब आया जब संडे टाइम्स की जांच में पाया गया कि सिद्दीक ने कई वर्षों तक हैम्पस्टेड की एक प्रॉपर्टी में रहते हुए समय बिताया, जिसे पनामा पेपर्स में नामित एक 'ऑफशोर कंपनी' (विदेशी स्वामित्व वाली कंपनी) ने खरीदा था

और जिसका संबंध दो बांग्लादेशी व्यापारियों से था। 'टाइम्स' को दिए गए साक्षात्कार में यूनुस ने कहा कि यह एक "विडंबना" है कि सिद्दीक पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। यूनुस ने एक हालिया आधिकारिक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें पाया गया कि अवामी लीग शासन से जुड़े लोगों ने बांग्लादेश से प्रति वर्ष अरबों डॉलर बाहर भेजे, जिनमें से कुछ धन का उपयोग विदेशों में संपत्ति सहित अन्य परिसंपत्तियों की खरीद में किया गया।उन्होंने कहा, "उन्होंने बताया कि किस प्रकार धन की चोरी की गयी, लेकिन यह चोरी नहीं है- जब आप चोरी करते हैं, तो आप उसे छिपाते हैं।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में घर छोड़कर भागे लोगों ने देखी आग से भयानक तबाही, बयां की आपबीती

अमेरिका के लॉस एंजिल्स के जंगलों की आग ने 62 वर्ग मील से ज्यादा क्षेत्र जला दिया है। 24 लोगों की जान चली गई है और 12 हजार से ज्यादा इमारतें जलकर नष्ट हो गई हैं। 100,000 से ज्यादा लोग अनिवार्य रूप से अब भी निकासी के आदेश के तहत हैं। आग के कारण जिन लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा उनमें से कई लोगों ने मीडिया से अपना दर्दनाक अनुभव साझा किया है।

वॉशिंगटनः अमेरिका के कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स में जंगलों की आग के कारण हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर हुए। कैलिफोर्निया अग्निशमन विभाग के अनुमान के अनुसार, कम से कम 24 लोगों की जान चली गई है और 12,300 से ज्यादा इमारतें जल गई हैं। पिछले मंगलवार से आग तबाही मचा रही है। इस बीच आग के खतरे से बचकर निकल पाए लोगों ने आपबीती साझा की है। तबीथा ट्रोसेन और उनके बॉयफ्रेंड ने न्यूज एजेंसी एपी को मुश्किल स्थिति के बहुत करीब होने के अपने अनुभव के बारे में बाताया। उन्हें डर था कि आग कभी भी उनके पड़ोस में फैल सकती है। कपल ने अपने सामान को बचाने के अपने प्रयासों को भी याद किया ताकि वे अपनी कीमती यादों को न खो दें। ट्रोसेन ने कहा, ''यह ऐसा है, मैं अपना ख्याल कैसे रखूं और ऐसी कौन सी चीजें हैं जो मुझे एक इंसान के रूप में बनाए रखेंगी और मुझे मेरी पृष्ठभूमि, मेरे जीवन और मेरे परिवार की याद दिलाएंगी।''

'अरे यार, दुनिया खत्म हो रही है' अग्निशमन अधिकारियों ने ज्यादा जोखिम वाले क्षेत्रों में निवासियों को सलाह दी कि अगर उन्हें खतरा महसूस हो तो वे बिना किसी औपचारिक निकासी आदेश के स्वेच्छा से वहां से निकल जाएं। पिछले बुधवार को ला क्रेसेन्टा के टिम कांग ने ऐसा ही किया। धुएं भरी हवा के कारण बीमार महसूस करने और आस-पास की आग के फैलने के डर से कांग और उनके भाइयों ने अपना सामान बांधा और अपने पड़ोस से दूर चले गए। कांग ने कहा, ''सब कुछ बस ऐसा लग रहा था, 'अरे यार, दुनिया खत्म हो रही है''' सप्ताहांत में जब सैंटा एना हवाएं धीमी हुईं तो कुछ निवासियों को अपने समुदायों में लौटने का मौका मिला। कई लोगों को पता ही नहीं था कि उनके घर या पड़ोस अब भी आग से बचे हैं या नहीं। जिम ऑरलैंडिनी ने पासाडेना के बगल में एक बुरी तरह प्रभावित पड़ोस अल्टाडेना में अपना हार्डवेयर स्टोर खो दिया। उन्होंने कहा कि उनका 40 साल पुराना घर बच गया। उन्होंने कहा, ''पूरे समय मैं यही सोच रहा था कि मुझे नहीं पता कि जब मैं यहां वापस आऊंगा तो मुझे क्या मिलेगा और 40 साल बादआपके पास बहुत सारी ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप भूल गए हैं और अगर घर जल गया तो वे भी गायब हो जाएंगी। इसलिए हम शुक्रगुजार हैं कि ऐसा नहीं हुआ।''

फरवरी 2025 के अमेरिकी वीजा बुलेटिन में ग्रीन कार्ड की कतार में आगे बढ़े भारतीय, जानें कितनी हुई प्रगति

फरवरी 2025 के अमेरिकी वीजा बुलेटिन में विभिन्न रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड कैटेगरी में भारतीय नागरिकों के लिए मामूली प्रगति दिखाई गई है। ईबी-2 और ईबी-3 कैटेगरी में फाइनल एक्शन डेट्स 15-15 दिन आगे बढ़ गई हैं, जो ग्रीन कार्ड बैकलॉग में अपनी बारी का इंतजार कर रहे आवेदकों को थोड़ी राहत प्रदान करती हैं।

वॉशिंगटनः अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने फरवरी 2025 का वीजा बुलेटिन जारी कर दिया है। इसमें रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड कैटेगरीज में भारतीय नागरिकों के लिए कुछ प्रगति हुई है। ये एडजस्टमेंट ग्रीन कार्ड बैकलॉग में अपनी बारी का इंतजार कर रहे आवेदकों को थोड़ी राहत प्रदान करते हैं। फरवरी के वीजा बुलेटिन में भारतीयों के मामले में फैमिली-स्पॉन्सर्ड वीजा कैटेगरी के लिए फाइनल एक्शन डेट स्थिर बनी हुई हैं, जबकि जनवरी 2025 के वीजा बुलेटिन में इस कैटेगरी में कुछ प्रगति हुई थी। बता दें कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय हर महीने वीजा बुलेटिन जारी करता है। यह बुलेटिन दर्शाता है कि ग्रीन कार्ड प्रक्रिया शुरू करने वाली I-130 पिटीशन मूल रूप से कब फाइल की गई थी, उसके आधार पर कौन से ग्रीन कार्ड आवेदन आगे बढ़ सकते हैं। इससे यह अनुमान लगाने में भी मदद मिलती है कि आवेदक को अपना ग्रीन कार्ड प्राप्त करने में कितना समय लगेगा, जो इस बात पर आधारित है कि अभी कतार कितनी तेजी से आगे बढ़ रही है। **रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड कैटेगरीज में भारतीयों के लिए कितनी हुई प्रगति?** फर्स्ट प्रेफरेंस (ईबी-1) कैटेगरी में प्राथमिकता वाले कर्मचारी शामिल हैं। इस कैटेगरी में फाइनल एक्शन डेट 1 फरवरी 2022 पर अपरिवर्तित बनी हुई है। अनुमान है कि 1,43,497 भारतीय इस बैकलॉग में इंतजार कर रहे हैं। सेकेंड प्रेफरेंस (ईबी-2) कैटेगरी में एडवांस्ड डिग्री वाले पेशेवर या असाधारण योग्यता वाले व्यक्ति शामिल हैं। इस कैटेगरी में फाइनल एक्शन डेट 1 अक्टूबर 2012 से आगे बढ़कर 15 अक्टूबर 2012 हो गई है। अनुमान है कि 8,38,784 भारतीय इस बैकलॉग में प्रतीक्षा कर रहे हैं।

थर्ड प्रेफरेंस (ईबी-3) कैटेगरी में स्किल्ड वर्कर्स, पेशेवर और अन्य कर्मचारी शामिल हैं। इस कैटेगरी में फाइनल एक्शन डेट 1 दिसंबर 2012 से आगे बढ़कर 15 दिसंबर 2012 हो गई है। यूएससीआईएस के अनुसार, 1,38,581 भारतीय रोजगार आधारित ईबी-3 कैटेगरी में हैं। नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी (NFAP) का अनुमान है कि 1,38,581 अतिरिक्त आश्रित हैं, जिससे ईबी-3 बैकलॉग में कुल 2,77,162 भारतीय शामिल हो गए हैं। वहीं, फरवरी 2025 के वीजा बुलेटिन के अनुसार, फैमिली-स्पॉन्सर्ड वीजा ग्रीन कार्ड कैटेगरी- एफ1, एफ2ए, एफ2बी, एफ3 और एफ4 में तारीखें अपरिवर्तित बनी हुई हैं।

कंगना बदनाम हुई? जानिए पूरा विवाद और शोबिज में महिलाओं की चुनौतियां

कंगना रनौत को बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024 में मंडी से चुनाव मैदान में उतारा है। जैसे ही बीजेपी ने एक्ट्रेस को कैंडिडेट घोषित किया कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत का एक पोस्ट वायरल हो गया। विवाद बढ़ा तो सुप्रिया श्रीनेत ने सफाई दी। पढ़िए पूरे मामले में शोभा डे का आर्टिकल।

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते का एंथम 'मंडी बदनाम हुई, डार्लिंग तेरे लिए...' पूरे भारत में गूंजा जब कंगना रनौत एक बार फिर क्वीन साइज विवाद में घिर गईं। मामला तब सामने आया जब पूर्व पत्रकार और कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट (जिसे बाद में हटा दिया गया) किया गया। इसमें उन्होंने कंगना रनौत के नाम का जिक्र किया। बॉलीवुड एक्ट्रेस को हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार बनाए जाने पर सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया हैंडल से ये पोस्ट हुआ। हालांकि जब उनके इस भद्दे, आपत्तिजनक और सेक्सिस्ट पोस्ट पर सवाल उठाए गए तो उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि 'कई लोग मेरा फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट एक्सेस करते हैं।'

कंगना की पॉलिटकल एंट्री और फिर घमासान यह विवाद दो कारणों से दिलचस्प है। पहला, यह पहली बार हो सकता है कि किसी छोटे शहर के नाराज निवासी एक अपमानजनक पोस्ट के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करें। ऐसा इसलिए क्योंकि पोस्ट में मंडी और रेट के बारे में स्पष्ट जिक्र था। (श्याम बेनेगल की उसी नाम की पुरस्कार विजेता फिल्म याद है, जिसमें एक दयालु वेश्यालय मालकिन रुक्मिणी बाई अपने प्रतिष्ठान को बचाने के लिए लड़ती है?) आक्रोश समझ में आता है और उचित है। फिर सुप्रिया श्रीनेत की अचानक एंट्री हुई जिसमें कहा गया कि जो कोई भी मुझे जानता है, वह अच्छी तरह जानता है कि मैं किसी भी महिला के प्रति कभी भी व्यक्तिगत और अभद्र टिप्पणी नहीं कर सकती। खैर, मैडम, वे टिप्पणियां आपके आधिकारिक हैंडल और अकाउंट पर पोस्ट की गई थीं। जिम्मेदारी से बचने का ये कोई अच्छा तरीका नहीं है। वास्तव में, यह एक और बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा उठाता है कि क्या आपके नाम से पोस्ट की जाने वाली चीजों पर आपका कोई नियंत्रण नहीं है? क्या यह आपकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं है कि आप अपने 'पोस्ट' की निगरानी करें और उन्हें क्लीयर करें? अब, यह दावा करना कि मूल ट्वीट एक 'पैरोडी अकाउंट' से पोस्ट किया गया था, बेहद खोखला लगता है। हालांकि, यह मामला अब चुनाव आयोग के पास है, जो पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का मजाक उड़ाने वाले बीजेपी नेता दिलीप घोष की टिप्पणी की भी जांच कर रहा है।

ऐसे कमेंट्स की जरुरत क्या है? दूसरा, राजनीति में रूढ़िवादी महिलाओं के सवाल के बारे में है। ये टिप्पणियां दिखाती हैं कि आज भी, महिलाओं को 'उनकी जगह दिखाने' की कोशिश की जाती है, खासकर अगर वे फिल्मी बैकग्राउंड से हों। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक क्षेत्र में कद्दावर महिलाओं की लंबी लिस्ट है, जिन्होंने अपने शोबिज क्रिडेंशियल का मजाक उड़ाने के कई प्रयासों के बावजूद खुद को साबित किया। सार्वजनिक जीवन में कुछ नाम लिया जाए तो इसमें स्मृति ईरानी, जया बच्चन, हेमा मालिनी, किरण खेर, नगमा, गुल पनाग, जया प्रदा, राम्या... और ये लिस्ट यहीं खत्म होती नजर नहीं आ रही। **कंगना के मुद्दे पर जब स्मृति ईरानी ने संभाला मोर्चा** स्मृति ईरानी ने इस मामले में पलटवार का नेतृत्व किया जब वह कंगना रनौत के बचाव में आगे आईं। उन्हें और अन्य लोगों की तरह 'वुमेन ऑफ स्टील' के तौर पर पेश किया। कंगना ने इस विवाद में खुद को एक संयमित प्रतिक्रिया तक सीमित रखा, उन्होंने कहा कि अपने 20 साल के करियर में, मैंने कई भूमिकाएं निभाई। फिल्म 'रज्जो' में एक वेश्या से लेकर 'थलाइवी' में एक क्रांतिकारी नेता का रोल निभाया। हमें अपनी बेटियों को पूर्वाग्रह की बेड़ियों से मुक्त करना चाहिए। हर महिला अपनी गरिमा की हकदार है। सुनो! सुनो! जवाबी कार्रवाई में, कांग्रेस ने एक पुराना वीडियो शेयर किया जिसमें कंगना रनौत, उर्मिला मातोंडकर को सॉफ्ट पॉर्न स्टार कहा था। अगर यह मदद करता है, तो मुझे अर्ध-साक्षर लोगों की ओर से 'सॉफ्ट पॉर्न लेखक' के रूप में खारिज कर दिया गया था। वो भी उन लोगों ने जिन्होंने कभी कोई किताब नहीं पढ़ी थी। **कंगना पर ऐसे अटैक की वजह क्या**? अगर कोई इन हमलों और जवाबी अटैक की स्पष्ट राजनीति से परे देख सकता है, तो एक बात बिल्कुल स्पष्ट है। महिलाएं अक्सर ऐसी जगह फंसी रहती हैं जहां उनकी बहुत अधिक क्षमता और रचनात्मक ऊर्जा एक अत्यधिक संदेहपूर्ण समाज की ओर से लगाए गए लेबल से लड़ने में खत्म हो जाती है, जिसने उन्हें कठोरता से पहले से आंक लिया है। कंगना के मामले में देखें तो उन्हें पुरुष प्रधान फिल्म उद्योग में भाई-भतीजावाद (नेपोटिज्म) जैसे मुद्दों को उजागर करने के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। करन जौहर के साथ इंटरव्यू के बाद से, उन्हें सहकर्मियों की ओर से लगभग बहिष्कृत कर दिया गया। उन्हें 'मुसीबत पैदा करने वाली' करार दिया गया है।

क्या सियासी पारी में सफल होंगी कंगना? हालांकि, राजनीति में उतरने और अपनी 'जन्मभूमि' से सीट लड़ने के उनके फैसले का एक अभिनेत्री-निर्देशक-निर्माता के रूप में उनके करियर से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें गलत तरीके से स्लॉट करके, प्रतिद्वंद्वी केवल सदियों पुराने जाल में ही फंस रहे हैं। कंगना रनौत अपनी नई भूमिका में सफल होंगी या नहीं, यह मानते हुए कि वह जीत जाती हैं, ये तो समय ही बताएगा। बावजूद इसके वह किसी भी अन्य नागरिक की तरह चुनाव लड़ने का अधिकार रखती हैं, इस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता।

पहले आम चुनाव में थे रंगीन बैलेट बॉक्स, 8 हजार टन लगा था स्टील, पढ़िए देश के पहले चुनावों की दास्तान

लोकसभा चुनावों में महज कुछ दिनों का वक्त बचा है। अब तो चुनाव ईवीएम से होते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि देश के पहले चुनाव कैसे हुए थे। पहले चुनावों में कई रंगों के स्टील के बैलेट बॉक्स बने थे।

नई दिल्ली

पहले आम चुनाव में करीब 20 लाख बैलेट बॉक्स का इस्तेमाल किया गया था। मद्रास सहित कुछ इलाकों में लकड़ी के बॉक्स भी इस्तेमाल में लाए गए, लेकिन ज्यादातर राज्यों में चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार स्टील के बॉक्स ही मतदान केंद्रों में रखे गए थे। वोटर्स की सुविधा के लिए अलग-अलग रंगों के बॉक्स का इस्तेमाल किया गया क्योंकि लोकसभा के साथ कुछ विधानसभाओं के भी चुनाव कराए गए थे। **बैलेट बॉक्स बनाने में लगा 8 हजार 165 टन स्टील** बॉक्स बनाने में स्टील की जरूरत को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने इंडस्ट्री एंड सप्लाई मिनिस्ट्री से अनुरोध किया था कि उन इकाइयों को स्टील मुहैया कराया जाए, जिन्हें राज्य सरकारों ने बैलेट बॉक्स बनाने का ऑर्डर दिया है। ये बॉक्स बनाने में 8 हजार 165 टन स्टील लगा था। विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव एकसाथ हो रहे थे, लिहाजा अलग-अलग रंगों के बॉक्स रखे गए। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि उस समय देश में साक्षरता बहुत कम थी। मतदाताओं को रंग पहचानने में कोई दिक्कत न हो, इसलिए बैलेट बॉक्स पर संबंधित रंग का बैकग्राउंड सफेद रखा गया था। चुनाव आयोग ने तय किया कि लोकसभा चुनाव में बैलेट बॉक्स ऑलिव ग्रीन, मीडो ग्रीन, पेल ग्रीन और ब्रुंसविक ग्रीन कलर के होंगे। विधानसभा चुनावों के लिए चॉकलेट, महोगनी, टीक, डार्क टैन और ब्रॉन्ज कलर चुने गए। इस बात का फैसला राज्यों पर छोड़ दिया गया कि वे अपने यहां किन रंगों के बैलेट बॉक्स का उपयोग करेंगे। राज्यों को सुझाव दिया गया था कि वे अपनी जरूरत के सारे बैलेट बॉक्स किसी एक ही फर्म से तैयार कराएं ताकि उनकी डिजाइन एक जैसी रहे। आयोग का यह निर्देश इस मायने में मददगार रहा कि एक राज्य के सभी मतदानकर्मियों को इन बैलेट बॉक्स के जरिए ट्रेनिंग देने में भी आसानी हुई।

टिशू पेपर से शुरू हुई थी ईशा-भरत की लव स्टोरी : स्कूल में पहली बार मिले थे दोनों, शादी के 11 साल बाद अलग हुए कपल

ईशा देओल और भरत तख्तानी ने जॉइन्ट स्टेटमेंट जारी करके अपने तलाक की पुष्टि की है। कपल ने आपसी सहमति से तलाक लेने का फैसला लिया है। लेकिन क्या आप जानते हैं ईशा और भरत की लव स्टोरी उनके स्कूल के समय से शुरू हुई थी। दोनों स्कूल के समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। ईशा और भरत की लव स्टोरी टिशू पेपर से शुरू हुई थी।

इंटर स्कूल कॉम्पिटिशन में हुई थी मुलाकात

ईशा ने बताया था कि वो जमनाबाई नर्सी स्कूल में पढ़ाई कर रही थीं और भरत तब बांद्रा केलर्नर एकेडमी में पढ़ते थे। उन्होंने कहा बांद्रा में ये इकलौता स्कूल था जहां गुड लुकिंग लड़के पढ़ते थे। ईशा ने बताया कि उनकी मुलाकात इंटर स्कूल कॉम्पिटिशन के दौरान हुई थी। कॉम्पिटिशन जमनाबाई नर्सी स्कूल में ही होस्ट किया गया था। इसी दौरान दोनों की मुलाकात हुई। ईशा कहती हैं कि शायद उन्हें समझ आ गया था कि यही उनके लाइफ पार्टनर बनने वाले हैं। ईशा ने बताया कि उन्होंने अपना फोन नंबर टिशू पेपर पर लिखकर भरत को दे दिया था। उन्होंने कहा- उस समय मेरे दांतों पर ब्रेसेस लगे थे। भरत ने मुझे ब्रेसेस के साथ देखकर पसंद किया था। मैं उन्हें क्यूट लगी, इसलिए मुझे लगता है कि वो मुझसे बहुत प्यार करते हैं। उन्होंने बताया था कि उन दिनों बातचीत करना इतना आसान नहीं होता था। एक्ट्रेस ने कहा कि कॉलेज के दिनों में भी वो एक-दूसरे से कनेक्ट रहे, लेकिन जब वो फिल्मों में व्यस्त होने लगीं तो उनका कनेक्शन टूट गया था। कुछ सालों बाद भरत और ईशा का रोमांस फिर से शुरू हुआ। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली। दिल्ली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने एक जॉइन्ट स्टेटमेंट जारी किया है। स्टेटमेंट में लिखा- हम दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है। हालांकि अब हम साथ नहीं हैं, लेकिन हमारे लिए हमारे दोनों बच्चों का भविष्य सबसे अहम है और हमेशा रहेगा। उम्मीद करते हैं कि आप लोग हमारी प्राइवसी की रिस्पेक्ट करें। ईशा और भरत ने साल 2012 में शादी की ईशा देओल और भरत तख्तानी ने 29 जून 2012 को मुंबई में शादी की। दोनों मुंबई के जुहू में स्थित इस्कॉन मंदिर में शादी के बंधन में बंधे थे। ईशा ने शादी के पांच सालों बाद 2017 में बेटी राध्या को जन्म दिया। वहीं साल 2019 में ईशा ने अपनी दूसरी बेटी मिराया को जन्म दिया।

मां बनने वाली हैं यामी गौतम, आदित्य धर ने 'आर्टिकल 370' के ट्रेलर लॉन्च में दी खुशखबरी

आज एक इवेंट के दौरान यामी गौतम की आगामी फिल्म 'आर्टिकल 370' का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। ये फिल्म 23 फरवरी को दस्तक देगी। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर आदित्य धर ने खुशखबरी साझा की। उन्होंने यामी गौतम की प्रेग्नेंसी की पुष्टि की और बताया कि जल्द ही नन्हा मेहमान घर आने वाला है। आज यामी गौतम की आगामी फिल्म 'आर्टिकल 370' का ट्रेलर जारी हुआ है। यह ट्रेलर एक इवेंट में रिलीज किया गया। इस दौरान यामी गौतम पति आदित्य धर के साथ पहुंचीं। ट्रेलर लॉन्च के साथ-साथ कपल ने फैंस के साथ एक खुशखबरी साझा की। उनके घर जल्द ही किलकारी गूंजने वाली है। बीते कई दिनों से यामी गौतम की प्रेग्नेंसी को लेकर खबरें वायरल हो रही थीं। इन खबरों पर अब यामी गौतम के पति और फिल्म निर्माता आदित्य धर ने मुहर लगा दी है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान उन्होंने ये गुड न्यूज शेयर की। आदित्य ने जब यामी की प्रेग्नेंसी की खबर साझा की तो यामी मुस्कुराती और शरमाती नजर आईं। यामी और आदित्य की शादी 2021 में हुई। कपल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने की तैयारी में हैं। आदित्य धर ने फिल्म 'आर्टिकल 370' को 'फैमिली अफेयर' बताया। उन्होंने कहा, 'मेरा भाई वहां था, मेरी पत्नी वहां थी और हमारा बेबी भी आने वाला है'। निर्देशक ने आगे कहा, 'जिस तरह से फिल्म बनी और जिस तरह से इस दौरान हमें अपने बच्चे के बारे में पता चला, वह बेहद खूबसूरत रहा'।

ट्रेलर लॉन्च के दौरान आदित्य धर ने अपनी पत्नी यामी की भर-भरकर तारीफ कीं। वहीं, यामी ने भी आदित्य की तारीफों में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि आदित्य हर तरह से शूटिंग के दौरान उनके साथ रहे और पूरा सपोर्ट किया। एक्ट्रेस ने कहा, 'अगर आप मुझसे मदरहुड के बारे में पूछेंगे तो मैं नहीं जानती कि अगर आदित्य, लोकेश भैया और बाकी लोग मेरे साथ नहीं होते तो मैं क्या कर पाती'।

7 इंटरनेशनल कोरियोग्राफर्स ने डिजाइन किए 'क्रैक' के एक्शन सीक्वेंस

विद्युत जामवाल की अगली फिल्म 'क्रैक' है। आदित्य दत्त निर्देशित इस फिल्म की कहानी एक गेम पर बेस्ड है। इस हार्डकोर एक्शन फिल्म की टैग लाइन है 'क्रैकः जीतेगा तो जियेगा' है। फिल्म में विद्युत जिंदगी को दांव पर लगाकर एक गेम खेलते नजर आएंगे। खास बात यह है कि इस फिल्म के लिए मेकर्स ने स्पेन, साउथ अफ्रीका, इटली और जर्मनी समेत कई देशों से 7 इंटरनेशनल एक्शन कोरियोग्राफर्स को हायर किया था। इन मेकर्स ने फिल्म के लिए स्लैकलाइनिंग, BMX साइकिलिंग, रोलरब्लेडिंग समेत कई एडवेंचर स्पोर्ट्स के साथ हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट एक्शन भी कोरियोग्राफ किया है। इनमें से कई एक्शन सीक्वेंस की झलक फिल्म के टीजर में देखी जा चुकी है। फिल्म के राइट-डायरेक्टर आदित्य ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं अपने एक्शन सीक्वेंस को डिटेल्स में लिखता हूं। मैं चाहता हूं एक्शन सीन के जरिए भी दर्शकों तक इमोशंस पहुंचें। और जब एक फिल्म एक्सट्रीम स्पोर्ट्स एक्शन थ्रिलर हो तो यह सब और भी क्रूशियल हो जाता है। एक वक्त आता है जब दर्शकों को स्टंट बोरिंग लगने लगते हैं, ऐसे में एक्शन सीक्वेंस में भी स्टोरी होना जरूरी है।' **आनंद बक्शी के पोते हैं फिल्म के डायरेक्टर आदित्य** 'क्रैक' को आदित्य दत्त ने ही लिखा और डायरेक्ट किया है। वो और विद्युत इससे पहले 'कमांडो-3' पर साथ काम कर चुके हैं। आदित्य ने अपने करियर में 'आशिक बनाया आपने' और 'टेबल नंबर 21' जैसी फिल्में भी डायरेक्ट की हैं। वो मशहूर लिरिसिस्ट आनंद बक्शी के पोते हैं। 'क्रैक' 23 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में विद्युत के अलावा नोरा फतेही, अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन अहम किरदारों में नजर आएंगे।

इंडिया ओपन बैडमिंटन- सिंधु और सात्विक-चिराग दूसरे राउंड में:5वीं सीड ली शिफेंग पहला मैच हारकर बाहर

इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले राउंड में भारत की पीवी सिंधु को जीत मिली है। उन्होंने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को सीधे गेम में हराया। दूसरी ओर लेट एंट्री लेने वालीं भारत की ही किरण जॉर्ज ने जापान की युशी तनाका को हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया है। दिल्ली के केडी जाधव इनडोर स्टेडियम में टूर्नामेंट मंगलवार को ही शुरू हुआ। मेंस डबल्स में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने भी राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। उन्होंने मलेशिया के मैन टी की जोड़ी को 23-21, 19-21, 21-16 से हराया। सात्विक-चिराग की जोड़ी पेरिस ओलिंपिक में टॉप सीड होने के बावजूद मेडल नहीं जीत सकी थी। **शादी के बाद पहले टूर्नामेंट में उतरीं सिंधु** सिंधु ने पिछले साल दिसंबर में ही शादी की थी। शादी के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रहीं सिंधु को पहला मैच जीतने के लिए महज 51 मिनट लगे। सुंग शुओ ने शुरुआती गेम में बढ़त बनाई, लेकिन सिंधु ने कमबैक किया और 21-14, 22-20 से मैच अपने नाम कर लिया।

जापानी प्लेयर से भिड़ेंगी सिंधु दूसरे राउंड में सिंधु का सामना वर्ल्ड नंबर-16 जापान की मनामी सुइज़ू से होगा। सिंधु ने मैच के बाद कहा, 'लंबे ब्रेक के बाद लय हासिल करना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन मैं सीधे गेम में मैच जीतकर खुश हूं। दूसरे गेम में मेरी शटल मिडकोर्ट में जा रही थी, लेकिन मुझे हमेशा भरोसा था कि मैं जीत सकती हूं।' **पीवी सिंधु ने पेरिस ओलिंपिक के बाद लम्बा ब्रेक लिया था। 3 गेम में जीतीं किरण** किरण जॉर्ज ने 3 गेम तक चले मुकाबले को 21-19, 14-21, 27-25 से जीता। मुकाबला 1 घंटे 11 मिनट तक चला। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रष्टो की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने भी अपना पहला मैच जीत लिया। उन्होंने चीनी ताइपे के चेंग कुआन और ह्सू यिन-हुई को 8-21, 21-19, 21-17 से हराया। त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की विमेंस डबल्स जोड़ी को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ गया। उन्हें जापान की 5वीं सीड अरिसा इगाराशी और अयाको सकुरामोटो ने 21-23, 19-21 से हराया।

5वीं सीड प्लेयर को हार का सामना करना पड़ा मंगलवार को बड़ा उलटफेर मलेशिया की लियोंग जुन हाओ ने किया। जिन्होंने चीन की 5वीं सीड ली शि फेंग को 18-21, 21-17, 21-17 से हराकर बाहर कर दिया। वहीं विमेंस सिंगल्स में सिंगापुर की 7वीं सीड यो जिया मिन ने वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को 19-21, 22-20, 21-5 से हराकर अगले राउंड में एंट्री कर ली।

पेरिस ओलिंपिक के मेडल्स का 5 महीने में रंग उतरा:100 से ज्यादा खिलाड़ियों ने शिकायत की, ओलिंपिक कमेटी बोली- नया मेडल देंगे

__नई दिल्ली__ पेरिस ओलिंपिक 2024 के मेडल 5 महीने में ही रंग छोड़ने लगे हैं। इनमें भारत के मेडलिस्ट के मेडल भी शामिल हैं। पेरिस ओलिंपिक में शूटर मनु भाकर के साथ ब्रॉन्ज जीतने वाले सरबजोत सिंह ने दैनिक भास्कर को बताया कि उनका मेडल भी रंग छोड़ रहा है और खराब हो गया है। हर मेडलिस्ट के साथ ऐसा हुआ है। फ्रांसीसी ऑनलाइन मीडिया आउटलेट ला लेट्रे के अनुसार, दुनियाभर के 100 से ज्यादा खिलाड़ियों ने पेरिस ओलिंपिक कमेटी से मेडल के खराब होने की शिकायत की है। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (IOA) ने खराब मेडल को बदलने की बात कही है। मेडल बनाने वाली संस्था मोनने डी पेरिस के एक प्रवक्ता ने कहा है कि मेडल 'डिफेक्टिव' नहीं हैं। जो रंग छोड़ रहे हैं। उन्हें अगस्त से ही बदल रहे हैं और आगे भी जारी रखेंगे। हम मेडल बनाने वाली कंपनी मोनने डी पेरिस के साथ काम कर रहे हैं। जल्दी सभी खिलाड़ियों के मेडल बदल दिए जाएंगे। यह काम अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगा। __एफिल टावर के लोहे से बने हैं पेरिस__

__ओलिंपिक के मेडल__ पेरिस ओलिंपिक के मेडल ऐतिहासिक एफिल टावर के लोहे के टुकड़े से बनाए गए थे। जब आखिरी बार एफिल की रिपेयरिंग की गई, तो उससे कई लोहे के टुकड़ों को निकाल दिया गया था। मेडल के ऊपरी भाग पर करीब 18 ग्राम लोहे से एक हेक्सागोन बनाया गया था। इसके अलावा मेडल के ऊपर लगने वाले रिबन पर भी विशेष ढंग से एफिल टावर की आकृति बनाई गई थी।

चैंपियंस ट्रॉफी ओपनिंग सेरेमनी में पाकिस्तान जा सकते हैं रोहित:16 या 17 फरवरी को हो सकता है इवेंट

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के पाकिस्तान जाने को लेकर अभी तक ICC या BCCI की ओर से किसी तरह की जानकारी नहीं दी गई है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की ओपनिंग सेरेमनी के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं। टूर्नामेंट पाकिस्तान की मेजबानी में 19 फरवरी से खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 हाइब्रिड मॉडल में खेली जा रही है। टीम इंडिया अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। न्यूज एजेंसी IANS को एक सूत्र ने बताया, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चैंपियंस ट्रॉफी की ओपनिंग सेरेमनी के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं। इसमें सभी कप्तान हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाएंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने ओपनिंग सेरेमनी का प्लान बनाया है। ये ओपनिंग सेरेमनी 16 या 17 फरवरी को हो सकती है। यह वॉर्म-अप मैचों के कार्यक्रम पर निर्भर करेगा। हालांकि, ICC या BCCI की ओर से इसको लेकर अभी तक किसी तरह की जानकारी नहीं दी गई है। __बांग्लादेश के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत__ भारत ग्रुप-ए में है। टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड हैं। वहीं दूसरे ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान हैं। 4 और 5 मार्च को 2 सेमीफाइनल होंगे, वहीं 9 मार्च को फाइनल खेला जाएगा। __पाकिस्तान जाने से भारत ने इनकार किया था__ शुरुआत में भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान पहले तो इस बात पर अड़ा रहा कि भारत को पाकिस्तान आना ही होगा, लेकिन भारत के सख्त रुख के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आखिरकार हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार हो गया है। पाकिस्तान को जब चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिली तभी से यह कयास लगाए जा रहे थे कि भारतीय टीम पाकिस्तान जाने से इनकार कर सकती है। भारत ने इससे पहले 2023 में एशिया कप खेलने के लिए भी पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था। तब एशिया कप में भारत के मुकाबले श्रीलंका में कराए गए थे। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने पहले भारत के सभी मैच लाहौर में कराने और मैच के बाद खिलाड़ियों को भारत भेजने का प्रस्ताव रखा था। भारत ने इसे नहीं माना तो

PCB ने भी हाइब्रिड मॉडल के लिए भी मना कर दिया था। __भारत-पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के देश में नहीं खेलेंगी__ भारत और पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के देश में जाकर क्रिकेट नहीं खेलेंगी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे। पाकिस्तानी टीम भी 2027 तक किसी भी टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं आएगी। उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे। ICC की इस फैसले की जानकारी 19 दिसंबर को सामने आई। मीटिंग में यह फैसला पहले ले लिया गया था। भारत में 2025 विमेंस वनडे वर्ल्ड कप, 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में होना है। इससे पहले जब ICC ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को हाइब्रिड मॉडल में कराने की बात पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को बताई थी, तब PCB ने ICC के सामने भारत में टीम न भेजने की मांग रखी थी, जिसे अब ICC ने मान लिया है। __वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत आई थी पाकिस्तान टीम__ पाकिस्तान की टीम पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत आई थी। तब इंडिया और पाकिस्तान के बीच अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को मुकाबला खेला गया था। इस मैच को भारतीय टीम ने 7 विकेट से जीता था। कप्तान रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर ने फिफ्टी जमाई थी। जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। उन्होंने 19 रन देकर 2 विकेट लिए थे। 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान गई थी टीम इंडिया: टीम इंडिया ने 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे थे। 2013 में द्विपक्षीय सीरीज खेलने भारत आया था पाकिस्तान: पाकिस्तान ने 2012-13 में भारत का आखिरी दौरा किया था। उस दौरे में 3 वनडे और 2 टी-20 मैचों की बाइलैटरल सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर रही थी। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी। तब से दोनों टीमें ICC और ACC टूर्नामेंट में ही भिड़ी हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी। तब से दोनों टीमें ICC और ACC टूर्नामेंट में ही भिड़ी हैं। __मुंबई में आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान नहीं जा रहा भारत__ भारतीय टीम ने 2007-08 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। 2008 में मुंबई पर आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने से मना कर दिया। तब से दोनों टीमें ICC और ACC के टूर्नामेंट में ही खेलती हैं।

विराट के दिन लद गए, गौतम गंभीर नया सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ दूंढो, पूर्व दिग्गज ने दी सलाह

भारतीय क्रिकेट टीम के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुरी तरह से फेल रहे। इसके कारण अब टीम इंडिया में उनकी जगह पर सवाल उठने लगे हैं और ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जगह नहीं मिल पाए।

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट टीम इस समय मुश्किल दौर से गुजर रही है। पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3-0 से हार फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर में मिली असफलता के बाद कई खिलाड़ियों का भविष्य अब खतरे में पड़ गया है। रोहित शर्मा के लिए लगभग टेस्ट क्रिकेट में उम्मीदें खत्म हो गई है जबकि विराट कोहली करियर भी अधर में लटका हुआ है। ऐसा इसलिए क्योंकि टीम इंडिया को अब जुलाई में टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऐसे में अगर रोहित और विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वापसी करने में सफल रहे हैं तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं होगा। विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड का मानना है कि अब इन दोनों खिलाड़ियों के लिए टेस्ट टीम में वापसी कर पाना काफी मुश्किल दिख रहा है। विराट कोहली के लिए पिछला साल बहुत ही खराब रहा उन्होंने सिर्फ 24 की औसत से 414

रन बनाए। इसी वजह से लॉयड मानते हैं कि विराट कोहली का करियर अब अधर में लटक गया है। ऐसे में अब गौतम गंभीर और अजीत अगरकर को नए सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की खोज करनी होगी। **विराट कर चुके हैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन** डेविड लॉयड ने टॉक स्पोर्ट्स क्रिकेट से बात करते हुए कहा, विराट कोहली जानते हैं कि वे अपना सर्वश्रेष्ठ दे चुके हैं। विराट कोहली अगर इंग्लैंड आते हैं तो उन्हें पता है कि वे कहां होंगे। ऑफ स्टंप के ठीक बाहर और बिजनेस एरिया स्लिप होगा। 36 साल की उम्र में विराट को पता है कि उन्हें क्या करना चाहिए। अब समय आ गया है कि चयनकर्ताओं को कड़े फैसले लेने होंगे। विराट मेरे द्वारा देखे गए महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन अब उनका समय समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा, 'जब आप महान क्रिकेटरों के बारे में बात करते हैं तो एक चीज जो बाकियों के पास नहीं है वह है वक्त। उनके पास जो समय था वह चला गया है।

सिलेक्टर्स की कार में, टीम इंडिया के साथ ब्रेकफास्ट... अब गौतम गंभीर के पीए पर बवाल

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया को मिली हार के बाद कोच गौतम गंभीर की मुश्किलें बढ़ गई है। आगामी चैंपियंस ट्रॉफी उनके लिए अग्नि परीक्षा की तरह है, लेकिन उससे पहले अब उनके पर्सनल असिस्टेंट को लेकर नया बवाल शुरू हो गया है और उसे टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में बैन करने की मांग उठ गई है।

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट टीम के पिछले जो टेस्ट सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कोच गौतम गंभीर निशाने पर आ गए हैं। भारतीय टीम को पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार मिली थी और उसे बाद ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हराया। ऐसे में कोच गंभीर को लेकर अब एक नया बवाल शुरू हो गया है। यह बवाल है उनके पर्सनल असिस्टेंट को लेकर। बीसीसीआई के एक अधिकारी में गौतम गंभीर के पर्सनल असिस्टेंट को लेकर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कई बड़े सवाल खड़े किए हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी में नाम बताने की शर्त पर समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा की गंभीर के पर्सनल असिस्टेंट को चयनकर्ता की कार में देखा गया है। वह गंभीर के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करते हैं और टीम होटल में ही रहते हैं जो कई से भी ठीक नहीं है। इससे टीम इंडिया की प्राइवेसी भंग होती है। बीसीसीआई के अधिकारी ने गंभीर के पीए को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा, सिलेक्टर्स की कार में गंभीर के पीए क्यों बैठे थे? सिलेक्टर्स अपनी बातों को निजी तौर पर डिस्कस भी नहीं कर सकते जब कोई तीसरा व्यक्ति मौजूद हो। इसके अलावा गंभीर के पीए को एडिलेड में बीसीसीआई के हॉस्पिटैलिटी बॉक्स में जगह क्यों दी गई?' सिर्फ इतना ही बीसीसीआई के इस अधिकारी ने यहां तक कह दिया कि खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए तय ब्रेकफास्ट एरिया में भी उनके पीए मौजूद, ऐसा क्यों? इसके अलावा गौतम गंभीर की तुलना पूर्व कोच ग्रेग चैपल से भी की जाने लगी है, जिनके कार्यकाल में खूब बवाल हुआ था और पूरी टीम बिखर गई थी। यही कारण है कि राष्ट्रीय चयन समिति का यह मानना है कि सिलेक्शन के मामले में कोच को बहुत ज्यादा दखलंदाजी नहीं करनी चाहिए। गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया को 10 में से 6 टेस्ट मैच में हार मिली है। इसके अलावा टीम के सीनियर खिलाड़ियों के साथ मतभेद की खबरों ने भी गंभीर की कोचिंग स्टाइल पर सवाल खड़े किए हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी होगी गंभीर के लिए अग्नि परीक्षा टेस्ट क्रिकेट में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण गंभीर का कोचिंग करियर खतरे में है। हालांकि, अगले महीने से शुरू हो रहे आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी गंभीर के लिए अग्नि परीक्षा की तरह होगी। गंभीर के कोचिंग में भारतीय टीम पहली बार कोई आईसीसी इवेंट में हिस्सा लेने जा रही है। ऐसे में यहां पर टीम इंडिया अगर दमदार प्रदर्शन नहीं कर पाती है तो फिर उन पर गाज गिरनी तय है।

अश्विन बोले-मेरा टाइम खत्म हो गया, इसलिए रिटायरमेंट लिया: अपने खेल को लेकर ईमानदार रहना चाहता हूं, अगर डिजर्व नहीं करता तो मत खिलाइए

पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने संन्यास को लेकर पहली बार बात की है। उन्होंने कहा, उन्होंने सिर्फ इसलिए संन्यास लिया क्योंकि उन्हें लगा कि उनका समय खत्म हो गया है। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया में इस महीने खत्म हुई बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के बीच में ही रिटायरमेंट की घोषणा कर दी थी। उन्होंने तीसरे टेस्ट के बाद ब्रिस्बेन में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अश्विन ने इस बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में सिर्फ एक मैच खेला था। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा, मैं बहुत सोचता हूं, लाइफ में क्या करना चाहिए। आपको यह समझना चाहिए कि यह स्वाभाविक रूप से होता है। अगर किसी को यह पता चल जाए कि उसका समय खत्म हो गया है, तो फिर सोचने के लिए कुछ नहीं रहता। मेरे संन्यास के बाद लोगों ने बहुत कुछ बोला, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह कोई बड़ी बात है। मैं यही बोल रहा हूं, इसमें इतना दिमाग मत लगाओ।

अश्विन बोले-मैं नहीं चाहता था कि फेयरवेल टेस्ट खेलूं अश्विन ने आगे कहा' मैं और क्रिकेट खेलना चाहता हूं। जगह कहां है? जाहिर है भारतीय ड्रेसिंग रूम में नहीं बल्कि कहीं और, मैं खेल के प्रति ईमानदार रहना चाहता हूं। सोचिए अगर मैं फेयरवेल टेस्ट खेलना चाहता हूं लेकिन टीम में खेलने के लिए मैं डिजर्व नहीं करता हूं, तो मैं खुद नहीं चाहूंगा कि मुझे टीम में लीजिए।

मैं डिजर्व नहीं करता हूं और मुझे मौका सिर्फ इसलिए मिले कि ये

मेरा फेयरवेल टेस्ट है तो मैं इसे खुद नहीं स्वीकार करूंगा। मुझे लगता है कि मेरे क्रिकेट में अभी भी ताकत है। एक बात मैं कहूंगा कि हमारे क्रिकेट करियर में ऐसा हो सकता है कि हम जो चाहते हैं वो ना हो। लेकिन जब मैंने संन्यास लिया, तो ऐसा कुछ भी नहीं था। हम खेल को उस खुशी के लिए खेलते हैं जो यह हमें देता है।' **अश्विन टेस्ट में ले चुके हैं 537 विकेट** 38 साल के रविचंद्रन अश्विन ने भारत के लिए अपने करियर में 106 टेस्ट, 116 वनडे और 65 टी-20 मुकाबले खेले हैं, उन्होंने टेस्ट में 537 विकेट जबकि वनडे में 156 विकेट लिए है। वहीं टी-20 में उन्हें 72 विकेट मिले हैं। टेस्ट में अश्विन ने 3503, वनडे में 707 और टी20 में 184 रन बनाए हैं।

लो जिसका डर था वही हो गया... संजू सैमसन का कट सकता है चैंपियंस ट्रॉफी से पत्ता, जानें क्यों

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज 19 फरवरी से होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, संजू सैमसन को टीम में शामिल किए जाने की संभावना कम है। ऋषभ पंत फर्स्ट चॉइस विकेटकीपर होंगे और ध्रुव जुरेल दूसरे विकेटकीपर के रूप में चुने जा सकते हैं।

नई दिल्ली: आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज 19 फरवरी से हो रहा है। अब तक होस्ट नेशन पाकिस्तान और भारत के अलावा सभी ने अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। रिपोर्ट्स हैं कि बीसीसीआई 19 जनवरी को भारतीय टीम की घोषणा कर सकती है। अब चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का कैसा स्क्वाड रहेगा, इसको लेकर काफी चर्चा हो रही है। किसको जगह मिलेगी, कौन खिलाड़ी ड्रॉप होगा... सिर्फ इस तरह की ही बातें चल रही हैं। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर भी सबकी नजरें हैं।

सैमसन ने टी20 में तो अपनी जगह पक्की कर ली है। लेकिन वनडे में वह ऐसा नहीं कर पाए हैं। अब चैंपियंस ट्रॉफी में उनको मौका मिलेगा या नहीं यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन उनको लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है, जो संजू और उनके फैंस के लिए अच्छी नहीं है।

संजू सैमसन हो सकते हैं चैंपियंस ट्रॉफी से ड्रॉप पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज संजू सैमसन को भारत की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में शामिल किए जाने की संभावना कम है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि केएल राहुल, जिन्होंने 2023 के वनडे विश्व कप में विकेटकीपिंग की थी। उनको चैंपियंस ट्रॉफी के लिए स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के रूप में चुना जाएगा, जबकि ऋषभ पंत को फर्स्ट चॉइस विकेटकीपर के रूप में चुना जाएगा। वहीं दूसरे विकेटकीपर के रूप में ध्रुव जुरेल को चुना जा सकता है। इसके अलावा बात करें संजू सैमसन के करियर की तो उन्होंने टीम इंडिया के लिए एकदिवसीय फॉर्मेट में 2021 में डेब्यू किया था। उसके बाद से अब तक उन्होंने 16 मैच इस प्रारूप में खेले हैं, जिसमें उन्होंने 56.7 की औसत से बल्लेबाजी करते हुए 510 रन बनाए हैं। वनडे में सैमसन के नाम एक शतक और तीन अर्धशतक हैं। टी20 में तो सैमसन का बल्ला जमकर बोल रहा है। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में दो शतक ठोके थे।

इंग्लिश गेंदबाज को भारत का वीजा मिलने में देरी:इंग्लैंड टीम का दौरा 22 जनवरी से, कोलकाता में पहला टी-20 मैच

इंग्लैंड के गेंदबाज साकिब महमूद को भारत में होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए अभी तक वीजा नहीं मिल पाया है। इंग्लैंड टीम का भारतीय दौरा 22 जनवरी से शुरू होना है। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी मूल के साकिब महमूद का पासपोर्ट अभी भारतीय दूतावास में है और इसी वजह से उन्हें वीजा मिलने में देरी हो रही है। यूएई में टीम के

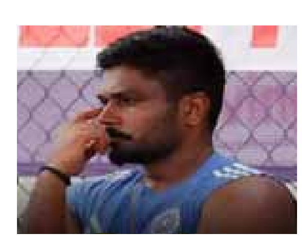

अन्य खिलाड़ियों के साथ नहीं कर पा रहे हैं प्रैक्टिस पासपोर्ट भारतीय दूतावास में जमा होने की वजह से ECB ने महमूद की यूएई जाने वाली फ्लाइट को रद्द कर दिया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि महमूद को पिछले गुरुवार को अबू धाबी के लिए रवाना होना था, लेकिन वीजा न मिलने के कारण वह यात्रा नहीं कर सके। जबकि इंग्लैंड के अन्य तेज गेंदबाज अबू धाबी में जिमी एंडरसन की देखरेख में ट्रेनिंग कर रहे हैं। वहीं, महमूद इंग्लैंड में ठंडे मौसम के कारण आउटडोर अभ्यास भी नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनकी तैयारियों पर असर पड़ रहा है। इस दौरे पर इंग्लिश टीम को 5 टी-20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0536 एवं 1272 खलमुटवा रातू रोड पुलिस स्टेशन रांची में मिजवा जनरल स्टोर किन्नू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फोन नं .651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670